राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण शुक्रवार,09 दिसंबर 2022 वर्ष–5,अंक–312 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गुजरात में फिर चला मोदी मैजिक, बीजेपी की आंधी में उड़ गये सभी पार्टियों के बड़े-बड़े दावे

नई दिल्ली। गुजरात में मोदी मैजिक चल गया है और पिछली बार की 99 सीटों के मुकाबले इस बार भाजपा को 50 से ज्यादा सीटों का फायदा होता दिख रहा है। इस बीच भाजपा के दिल्ली स्थित केंद्रीय कार्यालय में तो ढोल नगाड़े बज ही रहे हैं साथ ही गुजरात में भाजपा मुख्यालय पर भी जश्न शुरू हो गया है। कार्यकर्ता नाचते गाते और मिठाइयां बांटते नजर आ रहे हैं। इसके अलावा भी भाजपा की विभिन्न प्रदेश इकाइयों के कार्यालयों पर जश्न का माहौल देखा जा रहा है। इस बीच, खबर है कि भाजपा की इस शानदार जीत का जश्न मना रहे कार्यकर्ताओं को संबोधित करने के लिए शाम छह बजे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पार्टी के मुख्यालय पर पहुँचेंगे जहां भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और अन्य वरिष्ठ नेता प्रधानमंत्री का स्वागत करेंगे। भाजपा के लिए यह जीत इसलिए भी बड़ी है क्योंकि उसने इस साल के शुरू में उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड, गोवा और मणिपुर की सत्ता में वापसी की थी और साल 2022 के समापन पर वह गुजरात और हिमाचल प्रदेश की सत्ता में भी वापसी कर रही है। गुजरात भगवामय रहेगा यह तो पहले से ही तय माना जा रहा था लेकिन इतनी प्रचंड विजय का अनुमान भाजपा ने भी नहीं लगाया होगा। भाजपा की आंधी इस तरह चली है कि पार्टी की सूची में शामिल अधिकांश उम्मदीवार चुनाव जीतते नजर आ रहे हैं। केंद्र की तरह गुजरात में भी विपक्ष का दर्जा हासिल करने लायक कोई पार्टी नजर नहीं आ रही है। यही नहीं, वोट प्रतिशत की बात हो, सबसे लंबे समय तक शासन करने की बात हो...भाजपा ने सभी रिकॉर्ड तोड़ कर मोदी है तो मुमकिन है का नारा सार्थक कर दिया है। भाजपा ने जिस तरह एक साल पहले पूरी सरकार में बदलाव किया था वह रणनीति भी सफल होती दिख रही है।

● केंद्र की तरह गुजरात में भी विपक्ष का दर्जा हासिल करने लायक कोई पार्टी नजर नहीं आ रही है। यही नहीं, वोट प्रतिशत की बात हो, सबसे लंबे समय तक शासन करने की बात हो...भाजपा ने सभी रिकॉर्ड तोड़ कर मोदी है तो मुमकिन है का नारा सार्थक कर दिया है।

जहां तक प्रचार की बात है तो आपको बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चुनाव घोषित होने के बाद गुजरात में 31 जनसभाएं और कई रोड शो किये थे। इनमें 50 किलोमीटर का अब तक का सबसे लंबा रोड शो भी शामिल था। इसके अलावा भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों, केंद्रीय मंत्रियों और विभिन्न प्रदेशों के सांसदों और विधायकों ने भी जमकर प्रचार किया था।

देखा जाये तो भाजपा ने राज्य में 27 साल के शासन के बाद सत्ता विरोधी भावनाओं से जूझते हुए यह चुनाव लड़ा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पार्टी के लिए 'तुरुप का इक्का' थे और सत्तारुढ़ दल ने सत्ता विरोधी लहर के मुकाबले के लिये 'ब्रांड मोदी' पर भरोसा किया। चुनावों में प्रमुख मुद्दों में बेरोजगारी, मूल्य वृद्धि, राज्य के कुछ हिस्सों में पानी नहीं पहुंचना, बड़ी परियोजनाओं के लिए भूमि अधिग्रहण और किसानों को अत्यधिक बारिश के कारण फसल क्षति का उचित मुआवजा नहीं मिलना था। हम आपको यह भी बता दें कि इस बार मतदान प्रतिशत 2017 की तुलना में लगभग चार प्रतिशत कम हुआ था।

जहां तक उम्मीदवारों के आगे रहने या पिछड़ने की बात है तो आपको बता दें कि गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल घाटलोडिया के शहरी निर्वाचन क्षेत्र से लगातार दूसरी बार जीत की ओर बढ़ते दिख रहे हैं। गांधीनगर लोकसभा क्षेत्र के हिस्से और पाटीदार बहुल घाटलोडिया सीट ने गुजरात को दो मुख्यमंत्री दिए हैं- भूपेंद्र पटेल और आनंदीबेन पटेल। यह इलाका भाजपा का गढ़ है। हम आपको यह भी बता दें कि पाटीदार आरक्षण आंदोलन के बावजूद 2017 में भूपेंद्र पटेल ने यह सीट 1.17 लाख मतों के बड़े अंतर से जीती थी। भाजपा ने पहले ही यह घोषणा कर दी है कि इन चुनाव के बाद पटेल के हाथों में ही राज्य की कमान रहेगी।

वहीं, आम आदमी पार्टी के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार इसुदान गढ़वी खम्भालिया विधानसभा सीट से आगे चल रहे हैं। इसके अलावा भाजपा उम्मीदवार और पाटीदार नेता हार्दिक पटेल ने गुजरात के वीरमगाम विधानसभा सीट पर आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार अमरसिंह ठाकोर पर बढ़त बना ली है।

मनी लॉन्ड्रिंग केस में मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर को दिल्ली हाईकोर्ट से मिली जमानत

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने गुरुवार को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज में कथित फोन टैपिंग के संबंध में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दर्ज धन शोधन मामले में मुंबई के पूर्व पुलिस प्रमुख संजय पांडेय को जमानत दे दी। न्यायमूर्ति जसमीत सिंह ने शर्तों के साथ जमानत दी है। ईडी ने इस साल सितंबर में 2009 और 2017 के बीच एनएसई कर्मचारियों के फोन टैपिंग से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग की रोकथाम के मामले में दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट में चार्जशीट दायर की थी। चार्जशीट एनएसई के पूर्व प्रमुख चित्रा रामकृष्ण और रवि नारायण समेत मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त संजय पांडे के खिलाफ दायर की गई थी। चार्जशीट में कहा गया है, फोन टैपिंग में पैसों की हेराफेरी की गई। फोन टैपिंग में किए गए भुगतान अपराध की कथित आय हैं। ऐसी शेल कंपनियां थीं, जिनके जरिए मनी लॉन्ड्रिंग की गई। ईडी ने दावा किया है कि पांडे को रामकृष्ण की मदद के लिए एमटीएनएल लाइनों को टैप करने के लिए 4.54 करोड़ रुपये मिले, और ये अपराध की आय थी। एक एजेंसी के सूत्र ने कहा, पांडे आईसेक सिक्योरिटीज प्राइवेट लिमिटेड चलाते थे। यह आरोप लगाया गया है कि रामकृष्ण ने एनएसई कर्मचारियों के फोन टैप करने के लिए इस फर्म का इस्तेमाल किया था। एनएसई कर्मचारियों द्वारा सुबह 9 बजे से 10 बजे के बीच किए गए फोन कॉल को आईसेक सिक्योरिटीज प्राइवेट लिमिटेड द्वारा टैप और रिकॉर्ड किया गया था। यह आरोप लगाया गया है कि पांडे ने अवैध रूप से फोन कॉल टैप करने में मदद की। रामकृष्ण और पांडे को एंटी मनी लॉन्ड्रिंग एजेंसी ने जुलाई में गिरफ्तार किया था। पांडे ने कहा कि उसने फोन की लाइनें टैप कीं, लेकिन कुछ भी अवैध नहीं किया। टैपिंग के लिए सभी उपकरण एनएसई द्वारा उपलब्ध कराए गए थे।

मप्र के बैतूल में बस हादसा, 40 यात्री घायल

मुलताई (बैतूल)। मध्य प्रदेश के बैतूल जिले में बुधवार आधीरात बाद करीब तीन बजे बस हादसे में 40 यात्री घायल हो गए। इनमें से 10 की हालत नाजुक है। सभी घायलों को मुलताई, आमला और बैतूल के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। यह जानकारी पुलिस ने दी।

पुलिस के मुताबिक यह बस भोपाल से छिंदवाड़ा की ओर जा रही थी। यह हादसा मुलताई-बैतूल हाइवे पर ससुन्दरा के पास हुआ। एक ट्रक से बस की सीधी टक्कर से हाहाकार मच गया। बताया गया है कि ट्रक गलत दिशा आकर सीधे बस से भिड़ता हुआ डिवाइडर पर चढ़ गया। हादसे में बस का अगला हिस्सा चकनाचूर हो गया।सूचना पर जिले से संजीवनी 108 गाड़ियां पहुंची एवं घायलों को अस्पताल ले गईं।

घायलों में बस ड्राइवर भोपाल निवासी अनीश (45) की हालत ज्यादा गम्भीर है। उनके पैर और सिर में गंभीर चोट आई है। बस में सवार प्रकाश पुत्र रूपलाल (30) निवासी डहुआ, निधि पुत्री कल्याण राणा (25) निवासी बालाघाट, शशि पुत्र शंकर (47) निवासी भोपाल, हिमांशी पुत्री रामकिशोर (24) छिंदवाड़ा, चेतना पुत्री भागचंद (20) निवासी सिवनी, लवलेश पुत्र रमेश (31) निवासी सिवनी, देवेश पुत्र भागचंद (18) निवासी सिवनी, कमलेश पुत्र सुरेंद्र (42) निवासी भोपाल, श्रद्धा पुत्री रंगलाल (29) निवासी बालाघाट समेत 40 यात्री घायल हुए हैं। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मोरबी पुल हादसे में बचाई थी कई लोगों की जान, अब जनता ने दिया 'आशीर्वाद'

अहमदाबाद। गुजरात विधानसभा चुनाव के लिए गुरुवार सुबह से वोटों की गिनती जारी है। रुझानों में बीजेपी बहुमत का आंकड़ा पार कर चुकी है और धीरे-धीरे इतिहास रचने के करीब है। कांग्रेस को राज्य में करारा झटका लगा है, जबकि आम आदमी पार्टी दस फीसदी से अधिक वोट हासिल करती दिख रही है। बीजेपी के तमाम दिग्गज नेताओं को रुझानों में बढ़त हासिल है। वहीं, मोरबी हादसे में कई लोगों की जान बचाने वाले बीजेपी उम्मीदवार को जनता ने चुनाव में आशीर्वाद दिया है। दरअसल, मोरबी से बीजेपी कैंडिडेट कांतिलाल अमृतिया दस हजार से अधिक वोटों से आगे चल रहे हैं। मच्छु नदी पर बना पुल अक्टूबर महीने में टूट गया था। इस हादसे में 130 से अधिक लोगों की जान चली गई थी। हादसे के फौरन बाद कांतिलाल अमृतिया ने नदी में कूदकर कई लोगों की जान बचाई थी। सोशल मीडिया पर उनके कई वीडियो

सामने आए थे, जिसमें वे लाइफ ट्यूब पहने हुए दिखाई दे रहे थे और लोगों की जान बचाने की कोशिश कर रहे थे। चश्मदीदों ने बताया था कि जब पुल हादसा हुआ, उसके तुरंत बाद अमृतिया ने नदी में छलांग लगाकर कई लोगों को बचाया था। इसके बाद पार्टी ने उन पर भरोसा जताते हुए मोरबी से टिकट दिया था। सुबह साढ़े दस बजे तक के आंकड़ों के अनुसार, मोरबी विधानसभा सीट से बीजेपी उम्मीदवार कांतिलाल अमृतिया 10,156 वोटों से आगे हैं। वहीं, बीजेपी भी 150 से अधिक सीटों पर आगे चल रही है। कांग्रेस को सिर्फ 16 सीटों पर बढ़त हासिल है, जबकि आप आदमी पार्टी छह सीटों पर आगे चल रही है। दो सीटों पर निर्दलीय आगे चल रहे हैं। बताते चलें कि मोरबी हादसे के बाद कई सवाल उठे थे। 130 से ज्यादा मौतों से जुड़ी इस बड़ी लापरवाही को लेकर अब कई बातें सामने आई थीं। कहा जा रहा था कि इस पुल पर 100-150 लोगों के आने की क्षमता थी। हादसे के दिन इस पुल पर क्षमता से 5 गुना ज्यादा लोग सवार थे। इसके बाद पुल टूट गया था और कई लोगों की जान चली गई थी। गुजरात सरकार ने हादसे के पीड़ितों को मुआवजा भी देने का ऐलान किया था।

वायु गुणवत्ता में सुधार के बाद दिल्ली में फिर शुरू हो सकेंगे निर्माण कार्य

नई दिल्ली। दिल्ली में वायु प्रदूषण की स्थिति में थोड़ा सुधार देखते हुए ग्रेप तीन की पाबंदियां बुधवार को तत्काल प्रभाव से हटा ली गई हैं। इससे दिल्ली में एक बार फिर निर्माण कार्य शुरू करने का रास्ता साफ हो गया है। दिल्ली में वीरवार को वायु गुणवत्ता (एक्यूआई) में थोड़ा सुधार होते हुए 304 दर्ज किया गया। इसके बाद वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने ग्रेप- तीन की पाबंदियों को तुरंत प्रभाव से वापस ले लिया है। यानी अब राजधानी में निर्माण कार्य फिर से शुरू किए जा सकेंगे। आयोग ने साफ किया कि अभी ग्रेप 1 और ग्रेप 2 के नियम लागू रहेंगे। उल्लेखनीय है कि 4 दिसंबर

को वायु प्रदूषण बेहद खराब श्रेणी में जाने से राजधानी में ग्रेप तीन की पाबंदियां लगा दी गई थीं। तब शहर का वायु गुणवत्ता सूचकांक 400 के पार पहुंच गया था, लेकिन पिछले दो दिन से प्रदूषण के स्तर में सुधार आने के बाद ग्रेप तीन की पाबंदियां हटा ली गई हैं।

राजस्थान में राहुल के साथ जन्मदिन मनाएंगी सोनिया गांधी

नई दिल्ली। सोनिया गांधी का जन्मदिन 9 दिसंबर को आ रहा है। तैयारियां की जा रही हैं और मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और अन्य वरिष्ठ उनकी यात्रा के दौरान वहां होंगे। यात्रा गुरुवार को एक दिन के लिए रोकी जानी थी, लेकिन सोनिया गांधी के प्रोग्राम की वजह से अब इसे 9 दिसंबर को स्थानांतरित कर दिया गया है।

राहुल गांधी इन दिनों अपनी भारत जोड़ो यात्रा पर हैं। वहीं खबर है कि संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन की अध्यक्ष और पूर्व

कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी 9 दिसंबर को राजस्थान के कोटा में अपने बेटे राहुल के साथ अपना जन्मदिन मनाएंगी। पार्टी के एक वरिष्ठ पदाधिकारी के हवाले से हिन्दुस्तान टाइम्स ने एक रिपोर्ट में ये दावा किया है। सोनिया गांधी के साथ उनकी बेटी प्रियंका वाड्रा के भी शामिल होने की उम्मीद है।

चार दिसंबर को राजस्थान में प्रवेश करने वाली यात्रा बुधवार को पूर्व मुख्यमंत्री व भारतीय जनता पार्टी की नेता वसुंधरा राजे के गृहनगर झालवाड़ा को पार कर कोटा पहुंची। सोनिया गांधी का जन्मदिन 9 दिसंबर को आ रहा है। तैयारियां की जा रही हैं और मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और अन्य वरिष्ठ उनकी यात्रा के दौरान वहां होंगे। यात्रा गुरुवार को एक दिन के लिए रोकी जानी थी, लेकिन सोनिया गांधी के प्रोग्राम की वजह से अब इसे 9 दिसंबर को स्थानांतरित कर दिया गया है।

कांग्रेस शासित राज्य राजस्थान में पार्टी नेता राहुल गांधी की अगुवाई वाली भारत जोड़ो यात्रा 5 दिसंबर को सुबह शुरू हुई और पहले दिन लगभग 27 किलोमीटर की दूरी तय की। राहुल गांधी ने राज्य में अपनी पहली नुक्कड़ सभा में बीजेपी और आरएसएश पर निशाना साधते हुए सवाल किया कि वे जय सियाराम क्यों नहीं बोलते हैं।

पांच वर्षों में किसी कश्मीरी पंडित का घाटी से पलायन नहीं हुआ, इस साल मारे गए 14 अल्पसंख्यक

नई दिल्ली। कश्मीरी पंडितों पर बीते कुछ समय से लगातार चर्चा हो रही है। घाटी में फिर से कश्मीरी पंडितों की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। वहीं गृह मंत्रालय के आंकड़ों से पता चला है कि इस साल 30 नवंबर तक जम्मू कश्मीर में आतंकी घटनाओं में कुल 14 अल्पसंख्यक मारे गए हैं, जिनमें 3 कश्मीरी पंडित शामिल हैं। वहीं सरकार का कहना है कि पिछले पांच वर्षों में किसी कश्मीरी पंडित का घाटी से पलायन नहीं हुआ है। केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने बुधवार को राज्यसभा में बताया कि जम्मू और कश्मीर संघ राज्य क्षेत्र में इस साल 30 नवम्बर 2022 तक 3 कश्मीरी पंडितों सहित अल्पसंख्यकों के 14 लोग मारे गए हैं। वहीं सरकार का कहना है कि पिछले पांच सालों में किसी कश्मीरी पंडित का घाटी से पलायन नहीं हुआ है। नित्यानंद राय ने लिखित जवाब में कहा कि कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में कश्मीरी पंडित संघर्ष समिति ने अपने लोगो की सुरक्षा चिंताओं के बारे में मुद्दा उठाया है। केंद्रीय गृह राज्यमंत्री ने अपने जवाब में बताया कि अल्पसंख्यकों के जीवन की रक्षा के लिए सरकार द्वारा विभिन्न उपाय किए गए हैं, जिनमें स्थिर गार्ड के रूप में सामूहिक सुरक्षा, दिन और रात में एरिया डोमिनेशन, महत्वपूर्ण स्थानों पर चौबीस घंटे नाकाबंदी, गस्त लगाना और विवेकपूर्ण कॉर्डन एंड सर्च ऑपरेशन शामिल हैं। इसके अलावा उपयुक्त तैनाती के माध्यम से सुरक्षा व्यवस्था और आतंकवादियों के किसी भी प्रयास को विफल करने के लिए जम्मू और कश्मीर में एक मजबूत सुरक्षा और खुफिया ग्रिड मौजूद है। वहीं नित्यानंद राय द्वारा जानकारी दी गई की प्रधानमंत्री विकास पैकेज, 2015 के तहत कश्मीरी प्रवासियों के लिए 3000 सरकारी नौकरियों का सृजन किया गया है। जिनमें से 2639 कश्मीरी प्रवासियों को पिछले पांच वर्षों में नियुक्त किया गया है। वहीं बाकी 361 पदों के लिए प्रक्रिया चालू है। गृह मंत्रालय द्वारा जानकारी दी गई कि सरकार ने जम्मू और कश्मीर संघ राज्य क्षेत्र सरकार के विभिन्न विभागों में नियुक्त किए गए या नियुक्त किए जा रहे कश्मीरी प्रवासी कर्मचारियों के लिए 6000 ट्रांजिट आवासों के निर्माण का भी अनुमोदन प्रदान किया है। जिसमें से 1025 इकाइयों का निर्माण पूरा हो चुका है। इसके अलावा भारत सरकार कश्मीरी प्रवासियों को 3250 रुपये प्रति व्यक्ति की दर से मासिक नकद राहत की प्रतिपूर्ति करती है, बशर्ते कि इसकी अधिकतम सीमा 13000 रुपये प्रति परिवार होगी।

नई दिल्ली। कश्मीरी पंडितों पर बीते कुछ समय से लगातार चर्चा हो रही है। घाटी में फिर से कश्मीरी पंडितों की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। वहीं गृह मंत्रालय के आंकड़ों से पता चला है कि इस साल 30 नवंबर तक जम्मू कश्मीर में आतंकी घटनाओं में कुल 14 अल्पसंख्यक मारे गए हैं, जिनमें 3 कश्मीरी पंडित शामिल हैं। वहीं सरकार का कहना है कि पिछले पांच वर्षों में किसी कश्मीरी पंडित का घाटी से पलायन नहीं हुआ है।

केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने बुधवार को राज्यसभा में बताया कि जम्मू और कश्मीर संघ राज्य क्षेत्र में इस साल 30 नवम्बर 2022 तक 3 कश्मीरी पंडितों सहित अल्पसंख्यकों के 14 लोग मारे गए हैं। वहीं सरकार का कहना है कि पिछले पांच सालों में किसी कश्मीरी पंडित का घाटी से पलायन नहीं हुआ है। नित्यानंद राय ने लिखित जवाब में कहा कि कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में कश्मीरी पंडित संघर्ष समिति ने अपने लोगो की सुरक्षा चिंताओं के बारे में मुद्दा उठाया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

आप के मंत्रियों पर लगे आरोपों ने उसके आकाशी इरादों पर पानी फेर दिया है। भाजपा ने यदि सकारात्मक प्रचार किया होता और वैकल्पिक सपने पेश किए होते तो उसे शायद ज्यादा सीटें मिल जातीं। भाजपा ने तीनों स्थानीय निगमों को मिलाकर सारी दिल्ली का एक स्थानीय प्रशासन लाने की कोशिश इसीलिए की थी कि अरविंद केजरीवाल के टक्कर में वह अपने एक मजबूत महापौर को खड़ा कर दे।

तीनों पार्टियाँ गदगद: तीनों को सबक

(लेखक- डॉ. वेदप्रताप वैदिक)

गुजरात दिल्ली और हिमाचल के चुनाव परिणामों का सबक क्या है? दिल्ली और हिमाचल में भाजपा हार रही है और गुजरात में उसकी एतिहासिक विजय हुई है। हमारी इस चुनाव-चर्चा के केंद्र में तीन पार्टियाँ हैं- भाजपा कांग्रेस और आप! इन तीनों पार्टियों के हाथ एक-एक प्रांत लग गया है। दिल्ली का चुनाव तो स्थानीय था लेकिन इसका महत्व प्रांतीय ही है। दिल्ली का यह स्थानीय चुनाव प्रांतीय आईने से कम नहीं है। दिल्ली में आप पार्टी को भाजपा के मुकाबले ज्यादा सीटें जरूर मिली हैं लेकिन उसकी विजय को चमत्कारी नहीं कहा जा सकता है। भाजपा के वोट पिछले चुनाव के मुकाबले बढ़े हैं लेकिन आप के घटे हैं। आप के मंत्रियों पर लगे आरोपों ने उसके आकाशी इरादों पर पानी फेर दिया है। भाजपा ने यदि सकारात्मक प्रचार किया होता और वैकल्पिक सपने पेश किए होते तो उसे शायद ज्यादा सीटें मिल जातीं। भाजपा ने तीनों स्थानीय निगमों को मिलाकर सारी दिल्ली का एक स्थानीय प्रशासन लाने की कोशिश इसीलिए की थी कि अरविंद केजरीवाल के टक्कर में वह अपने एक मजबूत महापौर को खड़ा कर दे। भाजपा की यह रणनीति असफल हो गई है। कांग्रेस का सूंपड़ा दिल्ली और गुजरात दोनों में ही साफ हो गया है। गुजरात में कांग्रेस दूसरी पार्टी बनकर उभरेगी यह तो लग रहा था लेकिन वह इतनी दुर्दशा को प्राप्त होगी इसकी भाजपा को भी कल्पना नहीं थी। भाजपा के पास गुजरात में न तो कोई बड़ा चेहरा था और न ही राहुल गांधी वगैरह ने चुनाव-प्रचार में कोई सक्रियता दिखाई। सबसे ज्यादा धक्का लगा आम आदमी पार्टी को! गुजरात में आम आदमी पार्टी ने बढ़-चढ़कर क्या-क्या दावे नहीं किए थे लेकिन मोदी और शाह ने गुजरात को अपनी इज्जत का सवाल बना लिया था। मुझे याद नहीं पड़ता कि भारत के किसी प्रधानमंत्री ने अपने प्रांतीय चुनाव में इतना पसीना बहाया हो जितने मोदी ने बहाया है। आप पार्टी का प्रचारतंत्र इतना जबर्दस्त रहा कि उसने भाजपा के पसीने छुड़ा दिए थे। अरविंद केजरीवाल का यह पैंतरा भी बड़ा मजेदार है कि दिल्ली का स्थानीय प्रशासन चलाने में उन्होंने मोदी का आशीर्वाद मांगा है। इस चुनाव में आप पार्टी को अपेक्षित सफलता नहीं मिली लेकिन उसकी अखिल भारतीय छवि को मजबूती जरुर मिली है। ऐसा लगता है कि 2024 के आम चुनाव में मोदी के मुकाबले अरविंद केजरीवाल का नाम सशक्त विकल्प की तरह उभर सकता है। फिर भी इन तीनों चुनावों में ऐसा संकेत नहीं मिल रहा है कि 2024 में मोदी को अपदस्थ किया जा सकता है। दिल्ली और हिमाचल में भाजपा की हार के असली कारण स्थानीय ही हैं। मोदी को कांग्रेस जरुर चुनौती देना चाहती है लेकिन उसके पास न तो कोई नेता है और न ही नीति है। हिमाचल में उसकी सफलता का असली कारण तो भाजपा के आंतरिक विवाद और शिथिल शासन है। जब तक सारे प्रमुख विरोधी दल एक नहीं होते 2024 में मोदी को कोई चुनौती दिखाई नहीं पड़ती। इन तीनों चुनावों ने तीनों पार्टियों को गदगद भी किया है और तीनों को सबक भी सिखा दिया है।

सूक्ति

सज्जन पुरुष बादलों के समान देने के लिए ही कोई वस्तु ग्रहण करते हैं।
- कालिदास

वृक्ष अपने सिर पर गरमी सहता है पर अपनी छाया में दूसरों का ताप दूर करता है।
- तुलसीदास

लॉफिंग ज़ोन

एक अफीमची नशे की तरंग में हुक्के की नली की बजाय पास खड़े भैंसे के कट्टे की दुम मुंह में डाल कर कश लगा रहा था. इतने में उसका एक दोस्त आकर बोला, 'अरे यह क्या कर रहे हो? हुक्के की नली की बजाय कट्टे की दुम मुंह में डाल कर कश लगा रहे हो.'

अफीमची कट्टे की दुम मुंह से निकाल कर मुंह साफ करता हुआ बोला, 'मैं भी सोच रहा था कि फैनियों का स्वाद कहां से आ रहा है.'

☺ ☺ ☺

एक देहाती फोटोग्राफर की दुकान पर जा कर बोला, 'भाई साहब एक पासपोर्ट साइज की फोटो बनवानी है लेकिन फोटो में मेरे पांव की नई जूती भी नजर आनी चाहिए.'

फोटोग्राफर बोला, 'जूती जरूर नजर आएगी बस तुम सिर्फ इतना करो कि जूती अपने सिर पर रख लो.'

☺ ☺ ☺

मनु, 'मम्मी मैं कल स्कूल नहीं जाऊंगा, कल हमारी टीचर बता रही थी पांच और पांच दस होते हैं. आज कहने लगी आठ और दो दस होते हैं. उन्हें तो खुद भी कुछ नहीं आता हमें क्या पढ़ाएंगी.'

☺ ☺ ☺

पापा, 'मनु कमरे में जाकर देखो, वाल क्लॉक चल रहा है या नहीं.'

मनु, 'पापा चल तो नहीं रहा बस खड़ा दुम हिला रहा है.'

दिखने लगे जलवायु संकट के घातक संकेत

मुकुल व्यास

दुनिया में जलवायु से संबंधित आपदाओं की संख्या बढ़ रही है। आपदाओं के कारण मानवीय पीड़ा ऐसे स्तरों पर पहुंच चुकी है जिनकी मात्रा निर्धारित और कल्पना करना मुश्किल है। आपदाएं बढ़ने के साथ-साथ लोगों की मुसीबतें भी तेजी से बढ़ती रहेंगी। अब हमारे सामने एक कठोर विकल्प ही बचा है। या तो हम अपने जीवन जीने और ग्रह के साथ व्यवहार करने के तरीके में त्वरित और सार्थक परिवर्तन करें, या फिर वैश्विक सामाजिक पतन की बहुत वास्तविक संभावना का सामना करें। अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिकों के एक दल ने पर्यावरण संकट की गंभीरता को रेखांकित किया है और चेतावनी दी है कि जलवायु परिवर्तन दर्शाने वाले 35 'महत्वपूर्ण संकेतों' में से 16 अब लाल (कोड रेड) हो गए हैं। कोड रेड का मतलब यह है कि ये संकेत अपने चरम पर पहुंच गए हैं। अमेरिका की ओरेगन स्टेट यूनिवर्सिटी के पारिस्थितिकीय विज्ञानी क्रिस्टोफर वुल्फ ने कहा कि जलवायु आपदाओं में वार्षिक उछाल से स्पष्ट है कि अब हम एक बड़े जलवायु संकट के मध्य खड़े हैं। अगर हम चीजों को उसी तरह से करते रहेंगे जैसा हम उन्हें कर रहे हैं तो आने वाले समय में स्थिति और भी बदतर होगी। वुल्फ ने साथी वैज्ञानिकों से अनुरोध किया कि वे जलवायु और पर्यावरणीय संबंधी निर्णय लेने के लिए अनुसंधान-आधारित दृष्टिकोणों की वकालत करने में हमारे साथ शामिल हों। वैज्ञानिकों के दल ने जिन महत्वपूर्ण बिंदुओं की तरफ इशारा किया है, उनमें अत्यधिक गर्मी की घटनाओं में वृद्धि, वैश्विक वृक्षों के आवरण का लगातार कम होना और मच्छर जनित डेंगू वायरस के अधिक मामले शामिल हैं। वृक्षों के आवरण के घटने में जंगल की आग प्रमुख भूमिका निभा रही है। वायुमंडलीय कार्बन डाइऑक्साइड के स्तर का भी मुद्दा है जो रिकॉर्ड रखे जाने के बाद अब अपने उच्चतम स्तर पर है। इस समय इस गैस का स्तर 418 भाग प्रति दस लाख है। इस बीच, 2022 सबसे गर्म वर्षों में से एक होने की राह पर है। शोधकर्ताओं द्वारा ट्रैक किए गए जलवायु परिवर्तन के अन्य महत्वपूर्ण संकेतों में सतह के तापमान की विसंगतियां, अंटार्कटिका के बर्फ के द्रव्यमान में परिवर्तन, समुद्र की अम्लता और अमेरिका में आई भीषण बाढ़ शामिल हैं जिसकी सफाई के लिए कम से कम एक अरब डॉलर की लागत आई है। रिपोर्ट में जलवायु परिवर्तन से संबंधित कई घटनाओं का भी उल्लेख किया गया है जो इस वर्ष हुई हैं। उदाहरण के तौर पर यूरोप में 500 वर्षों में सबसे भीषण सूखा, आस्ट्रेलिया के पूर्वी तट पर रिकॉर्डतोड़ बारिश, भारत और पाकिस्तान में घातक लू, पश्चिम एशिया में व्यापक धूल भरी आंधियों और अमेरिका में आई भयंकर बाढ़ का उल्लेख किया जा सकता है जिसने येलोस्टोन नेशनल पार्क में सड़कों को नष्ट कर दिया। जलवायु परिवर्तन एक अकेला मुद्दा नहीं है। बांग्लादेश के पर्यावरण विज्ञानी सलीमुल हक ने कहा, यह प्राकृतिक संसाधनों के अत्यधिक उपयोग की एक बड़ी समस्या का हिस्सा है जहां मनुष्य की मांग जीवमंडल की पुनरुत्पादक क्षमता से अधिक है। अधिक मानवीय पीड़ा से बचने के लिए प्रकृति की रक्षा करने और अधिकांश जीवाश्म ईंधन उत्सर्जन को समाप्त करने की आवश्यकता है। साथ ही हमें कम आय वाले क्षेत्रों पर विशेष ध्यान देते हुए सामाजिक रूप से उचित जलवायु अनुकूलन का समर्थन करना चाहिए। विशेषज्ञों ने 2100 तक 3 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि की भविष्यवाणी की है। ऐसा तापमान स्तर ग्रह ने 30 वर्षों से नहीं देखा है। हालांकि, बार-बार चेतावनियों के बावजूद कई रुझान अब भी गलत दिशा में जा रहे हैं। शोधकर्ताओं ने जलवायु परिवर्तन को रोकने के लिए अधिक कार्रवाई करने और जागरूकता बढ़ाने के लिए 'द साइंटिस्ट वार्निंग' नामक 35 मिनट की एक डॉक्यूमेंट्री बनाई है। वे उम्मीद कर रहे हैं कि अधिक से अधिक वैज्ञानिक अब तत्काल कार्रवाई के बारे में एक मजबूत रवैया अपनाएंगे। अब भी उम्मीद बरक़रार है। शोधकर्ताओं ने कहा कि आज जलवायु संकट पर बोलने वाले वैज्ञानिकों की संख्या लगातार बढ़ रही है। वे भावी पीढ़ियों की खातिर ग्लोबल वार्मिंग के दुष्प्रभावों को कम करने के लिए तुरंत बड़े पैमाने पर कार्रवाई करने का आग्रह कर रहे हैं। जिस तरह से दुनिया के विभिन्न देशों में प्रचंड लू चली है, जंगलों में आग लगी है और तूफान आए हैं, उससे स्पष्ट है कि आने वाले समय में दुनिया को जलवायु परिवर्तन के और उग्र प्रभाव देखने पड़ेंगे। अतः यह जरूरी है कि विभिन्न देश जलवायु संबंधी वादों को यथासंभव पूरा करें। इस बीच, एक अन्य अध्ययन में कहा गया है कि जलवायु परिवर्तन को रोकने के दुनिया के देशों द्वारा दिए गए मौजूदा वचन 2015 के पेरिस समझौते के लक्ष्य को हासिल करने के लिए अपर्याप्त हैं। ग्लोबल वार्मिंग 1.5 डिग्री सेल्सियस की सीमा को पार कर जाएगी। लेकिन निराशाजनक दिखने वाले परिदृश्य में एक आशा की किरण भी दिखाई देती है। अमेरिकी वैज्ञानिकों के नेतृत्व में नई रिसर्च के अनुसार जलवायु से संबंधित अधिक महत्वाकांक्षी संकल्पों को अपनाकर और तेजी से कार्बन में कमी करके दुनिया के देश गर्म दुनिया में बिताए समय को कम कर सकते हैं। हम अगले कुछ दशकों में 1.5 डिग्री की सीमा को पार करने जा रहे हैं। इसका मतलब है कि हम 1.6 या 1.7 डिग्री या उससे ऊपर जाएंगे और हमें इसे 1.5 पर वापस लाने की आवश्यकता होगी। लेकिन हम इसे कितनी तेजी से नीचे ला सकते हैं, यह महत्वपूर्ण है। अधिक महत्वाकांक्षी लक्ष्यों को छोड़ने या विलंब करने से मानव और प्राकृतिक प्रणालियों के लिए अपरिवर्तनीय और प्रतिकूल परिणाम हो सकते हैं। तेजी से आगे बढ़ने का मतलब है कि अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर किए गए वादों को जल्द पूरा करना, तेजी से कार्बन में कमी करना और अधिक महत्वाकांक्षी उत्सर्जन लक्ष्य हासिल करना। हर छोटी चीज से मदद मिलती है और इन सभी के संयोजन की आवश्यकता होती है। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात इसे जल्दी से जल्दी करना है।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

हिमाचल गुजरात एमसीडी के चुनाव और भारत जोड़ो यात्रा

(लेखक- सनत जैन)

हिमाचल गुजरात और एमसीडी के चुनाव को मिनी चुनाव के रूप में देखा जा रहा है। इन चुनाव परिणामों का असर 2023 में होने वाले 5 विधानसभा के चुनाव तथा 2024 के लोकसभा चुनाव के परिपेक्षय में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। चुनाव परिणाम का जो रुझान एग्जिट पोल में था। लगभग-लगभग वही ट्रेंड चुनाव परिणामों में भी देखने को मिला है। गुजरात में भारतीय जनता पार्टी 150 सीटों के आसपास चुनाव जीत रही है। हिमाचल प्रदेश में भी एग्जिट पोल और मीडिया ने जो संभावना व्यक्त की थी। उसी के अनुसार कांग्रेस को स्पष्ट बहुमत मिलता हुआ दिख रहा है। एमसीडी के चुनाव में जरूर एग्जिट पोल के अनुसार आम आदमी पार्टी की सीटे कम हुई है। लेकिन वह स्पष्ट बहुमत से चुनाव जीत गई है। इससे यह कहा जा सकता है कि एग्जिट पोल ने परिणामों को लेकर जो संभावना व्यक्त की थी। ईवीएम मशीन के चुनाव परिणामों ने एग्जिट पोल की संभावनाओं को बनाकर रखा हुआ है। पिछले कुछ वर्षों से मीडिया में पॉलीटिकल एजेंडा सेट कर दिया जाता है। उसी के अनुसार पूरा एजेंडा काम करता है। एग्जिट पोल और चुनावी सर्वे एजेन्सी की इसमें बड़ी भूमिका होती है। मीडिया द्वारा एक माइंड सेट तैयार कर दिया जाता है। जब चुनाव परिणाम आते हैं तो उसके आसपास ही होते हैं। जीत क्यों मिली हार क्यों हुई इसका ट्रेंड भी मीडिया पहले से ही सेट कर देता है। आम जनता को भी चुनाव परिणाम आने पर उस पर विश्वास होने लगता है। पिछले कई चुनावों में यही ट्रेंड देखने को मिल रहा है। ईवीएम मशीन को लेकर भी समय-समय पर प्रश्न चिन्ह लगाए जाते हैं। राजनीतिक दलों द्वारा भी विशेष रूप से सत्तारूढ़ राजनीतिक दल द्वारा चुनाव की विश्वसनीयता बनाए रखने और चुनाव आयोग की विश्वसनीयता बनाए रखने की रणनीति तैयार की जाती है। वह चुनाव परिणामों में स्पष्ट रूप से देखने को मिल रही है। लगभग 1 माह पहले से ही यह तय माना जा रहा था कि गुजरात में आम आदमी पार्टी कांग्रेस के वोट काटेगी। गुजरात में भारतीय जनता पार्टी 150 सीटों के आसपास जीतेगी। हिमाचल में कांग्रेस बहुत कम सीटों के बहुमत से चुनाव में विजय हासिल करेगी। दिल्ली में आम आदमी पार्टी एमसीडी में बहुमत प्राप्त करेगी। यदि चुनाव परिणाम ऐसे ही आए हैं तो इसमें ईवीएम मशीनें और चुनाव आयोग के ऊपर कोई भी प्रश्न चिन्ह लगाना किसी के लिए भी संभव नहीं होगा। क्योंकि यदि ईवीएम मशीनें या चुनाव आयोग की कोई भूमिका चुनाव को प्रभावित करने की होती। तो हिमाचल में कांग्रेस चुनाव कैसे जीत रही है। वहीं आम आदमी पार्टी दिल्ली में चुनाव कैसे जीतती। चुनाव परिणाम अब एक प्रबंधन कौशल बन गया है। यह राय भी कहीं ना कहीं बनने लगी है। केंद्र में सत्तारूढ़ दल मीडिया के अधिकांश चैनल चुनावी विशेषज्ञों की बहस कराकर एक माहौल को तैयार करती हैं। एजेंडा तय हो जाता है। उस एजेंडा के अनुसार महीनों दर्शकों तक उन बातों को मतदाताओं के दिमाग में बैठाने की कोशिश की जाती है। जब चुनाव परिणाम आते हैं तो आम जनता भी परिणाम पर विश्वास कर लेती है। जो चुनाव परिणाम आए हैं वह वास्तविक एवं सही होंगे। बहरहाल जिस तरीके से चुनाव परिणाम 2018 के बाद से आ रहे हैं। उसमें कर्नाटक मध्य प्रदेश गोवा पूर्वोत्तर राज्यों की सरकारों को गिराकर भाजपा ने अपनी सरकार बनाने में सफलता हासिल की है। उसके बाद लोकसभा चुनाव में भाजपा को भारी बहुमत मिला है। चुनाव के दौरान मत विभाजन के लिए जो एजेंडा चुनाव प्रबंधको द्वारा सेट किया जाता है। वह प्रमाणिक स्वरूप में चुनाव परिणाम में बदल जाता है उत्तर प्रदेश के चुनाव में बसपा ने सपा को हराने में महत्वपूर्ण योगदान अदा किया। गुजरात में आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस के वोट काटकर भाजपा की जीत में योगदान दिया। हिमाचल में इतने कम बहुमत से कांग्रेसी की सरकार बनेगी। गैर भाजपाई सरकार को चलाना संभव ही नहीं होगा। दलबदल

और लोटस ऑपरेशन के जरिए सरकार में फेरबदल करना आसान हो जाता है। इसलिए अब चुनाव परिणाम मतदाताओं के वोट के आधार पर ना होकर चुनाव प्रबंधन मत विभाजन चुनाव आयोग चुनाव के दौरान अनाप-शनाप प्रचार सामग्री और खर्च राजनीतिक दलों के बीच आर्थिक असमानता मीडिया का एकतरफा झुकाव जैसे कारण चुनाव को स्पष्ट रूप से प्रभावित कर रहे हैं। देश में महंगाई बेरोजगारी काफी तेजी के साथ बढ़ रही है। टैक्स और विभिन्न शुल्क भी लगातार बढ़ते चले जा रहे हैं। आम लोगों की आय घट रही है। खर्चे निरंतर बढ़ रहे हैं। जमीनी स्तर पर मतदाता सरकारों से नाराज दिखते है। जब चुनाव होते है मीडिया जो ऐजेंडा सेट करता है। वही चुनाव परिणाम होते है। सरकार चुनाव परिणामों को अपने नियम कायदे कानून टैक्सेशन और लोकप्रियता से जोड़कर सही ठहराने का काम करती है। धीरे-धीरे विपक्ष की भूमिका लोकतांत्रिक व्यवस्था से समाप्त होती जा रही है। 2014 के बाद सारे देश में एक ही पार्टी बड़ी तेजी के साथ आगे बढ़ रही है। राजनीति में नैतिकता पूरी तरह से समाप्त हो गई है। चुनाव में जो जीता वही सिकंदर को सही मानते हुए चुनाव जीतने के लिये चुनाव हो रहे हैं। आम आदमी आर्थिक दृष्टि से परेशान हैं। हर राज्य में आर्थिक समस्याओं एवं असंतोष को लेकर प्रदर्शन हो रहे हैं। लोगों में सरकार के प्रति जन रोष चुनाव के पूर्व देखने को मिलता है। उसके बाद भी यदि चुनाव एक दल विशेष की सरकारें लगातार चुनाव जीत रही हैं। इससे लोगों का चुनाव और लोकतांत्रिक व्यवस्था पर भी विश्वास कम हो रहा है। इस तथ्य को भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में ध्यान रखना जरूरी है।

(चिंतन-मनन)

ज्ञान के रास्ते पर

गौतम बुद्ध के प्रवचन में एक व्यक्ति रोज आता था और बड़े ध्यान से उनकी बातें सुनता था। बुद्ध अपने प्रवचन में लोभ मोह द्वेष और अहंकार छोड़ने की बात करते थे। एक दिन वह व्यक्ति बुद्ध के पास आकर बोला- मैं लगभग एक महीने से आपके प्रवचन सुन रहा हूं। पर क्षमा करें मेरे ऊपर उनका कोई असर नहीं हो रहा है। इसका कारण क्या है? क्या मुझमें कोई कमी है?

बुद्ध ने मुस्कराकर पूछा- यह बताओ तुम कहां के रहने वाले हो?

उस व्यक्ति ने कहा- श्रावस्ती।

बुद्ध ने पूछा- श्रावस्ती यहां से कितनी दूर है? उसने दूरी बताई।

बुद्ध ने पूछा- तुम वहां कैसे जाते हो?

व्यक्ति ने कहा- कभी घोड़े पर तो कभी बैलगाड़ी में बैठकर जाता हूं।

बुद्ध ने फिर प्रश्न किया- कितना समय लगता है? उसने हिसाब लगाकर समय बताया।

बुद्ध ने कहा- यह बताओ क्या तुम यहां बैठे-बैठे श्रावस्ती पहुंच सकते हो

व्यक्ति ने आश्चर्य से कहा- यहां बैठे-बैठे भला वहां कैसे पहुंचा जा सकता है। इसके लिए चलना तो पड़ेगा या किसी वाहन का सहारा लेना पड़ेगा।

बुद्ध मुस्कराकर बोले- तुमने बिल्कुल सही कहा। चलकर ही लक्ष्य तक पहुंचा जा सकता है। इसी तरह अच्छी बातों का प्रभाव भी तभी पड़ता है जब उन्हें जीवन में उतारा जाए। उसके अनुसार आचरण किया जाए। कोई भी ज्ञान तभी सार्थक है जब उसे व्यावहारिक जीवन में उतारा जाए। मात्र प्रवचन सुनने या अध्ययन करने से कुछ भी प्राप्त नहीं होता। उस व्यक्ति ने कहा- अब मुझे अपनी भूल समझ में आ रही है। मैं आपके बताए मार्ग पर आज से ही चलूंगा। बुद्ध ने उसे आशीर्वाद दिया।

ट्विटर ने मोमेंट्स फीचर को किया बंद

नई दिल्ली। ट्विटर ने अपने मोमेंट्स फीचर को बंद करने की घोषणा की है, जिसे मूल रूप से 2015 में लॉन्च किया गया था, ताकि यूजर्स अपने ट्वीट्स के क्यूरेटेड कलेक्शन को बना सके। कंपनी ने कहा कि मौजूदा मोमेंट्स प्लेटफॉर्म पर बने रहेंगे, लेकिन यूजर्स नया क्रिएट नहीं कर पाएंगे। कंपनी ने पोस्ट किया, सभी मोमेंट्स आखिरी नहीं होते। आज से हम यूजर्स के लिए मोमेंट्स बनाने के विकल्प को हटा रहे हैं, क्योंकि हम अन्य अनुभवों को बेहतर बनाने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। कंपनी ने कहा, आप अब भी पिछले मोमेंट्स को देख सकते हैं और ट्विटर पर लाइव इवेंट्स को फॉलो कर सकते हैं। ट्विटर इंडिया ने प्रीमियम पब्लिशर्स के साथ ब्रांड पार्टनर को सक्षम करने और ब्रांड एकीकरण विकसित करने के लिए 2018 में, स्पान्सर्ड मोमेंट्स शुरू किया था। स्पान्सर्ड मोमेंट्स ने विज्ञापनदाताओं को मोमेंट्स में एक ब्रांडेड कवर इमेज जोड़ने के साथ-साथ अपने खुद के ब्रांड के ट्वीट्स को राउंड-अप में सम्मिलित करने की क्षमता प्रदान की। इसने पब्लिशर्स को इवेंट्स के बारे में स्टोरीज को आसानी से बनाने और बताने की अनुमति दी। इंस्टाग्राम और स्नैपचैट के स्टोरीज फीचर को लेने के लिए लॉन्च किए गए मोमेंट्स, यूजर्स के प्रोफाइल पर एक अलग टैब के रूप में दिखाई दिए और संबंधित कंटेट को क्यूरेट करके स्टोरीज और ब्रेकिंग न्यूज पर नजर रखने में उनकी मदद की।

आईफोन यूजर्स को ब्लू सर्विस के लिए 11 डॉलर पर विचार कर रहा ट्विटर

नई दिल्ली। एलन मस्क ट्विटर ब्लू सब्सक्रिप्शन सेवा की कीमत वेरिफिकेशन के साथ आईफोन यूजर्स के लिए 8 डॉलर से बढ़ाकर 11 डॉलर करने जा रहे हैं, 30 फीसदी कटौती को ध्यान में रखते हुए कि एप्पल अपने ऐप स्टोर पर आईओएस ऐप से राजस्व लेता है।द इंफॉर्मेशन की एक रिपोर्ट के मुताबिक, माइक्रो-ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म ने कुछ कर्मचारियों को सूचित किया है कि वह अपनी ट्विटर ब्लू सब्सक्रिप्शन सेवा के मूल्य में बदलाव करने की योजना बना रहा है। सूत्रों के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है कि कंपनी के अधिकारी वेब पर ट्विटर के लिए ब्लू सर्विस के लिए 7 डॉलर और आईफोन पर आईओएस ऐप के जरिए 11 डॉलर चार्ज करने पर विचार कर रहे हैं। मस्क ने पिछले महीने वेरिफिकेशन के साथ ब्लू सब्सक्रिप्शन प्लान लॉन्च किया था, लेकिन बाद में भारी विवाद के बाद इसे स्थगित कर दिया क्योंकि प्लेटफॉर्म पर कई नकली खाते सामने आए जो ब्रांडों और मशहूर हस्तियों का प्रतिरूपण थे। उन्होंने कहा कि माइक्रो-ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म 29 नवंबर से वेरिफिकेशन के साथ अपनी 8 डॉलर ब्लू सब्सक्रिप्शन सेवा को फिर से इस बार और अधिक रॉक सॉलिड लॉन्च करेगा, लेकिन ऐप स्टोर की खरीदारी में एप्पल की 30 प्रतिशत कटौती से बचने के लिए इसे भी टाल दिया। मस्क ने ऐप स्टोर कटौती की आलोचना की, इसे इंटरनेट पर छिपा हुआ 30 प्रतिशत कर कहा। उन्होंने कहा, एप्पल ने ज्यादातर ट्विटर पर विज्ञापन देना बंद कर दिया है। क्या वे अमेरिका में मुक्त भाषण से नफरत करते हैं? उन्होंने पोस्ट किया, एप्पल ने भी अपने ऐप स्टोर से ट्विटर को वापस लेने की धमकी दी है, लेकिन हमें नहीं बताया कि ऐसा क्यों किया जाएगा। इस महीने की शुरुआत में, मस्क ने कहा था कि तकनीकी दिग्गज एप्पल ने माइक्रो-ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म पर पूरी तरह से फिर से शुरू किया है। एप्पल के सीईओ टिम कुक के साथ अपनी बैठक के बाद, मस्क ने कहा कि उन्होंने माइक्रो-ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म पर संभवतः ऐप स्टोर से हटाए जाने पर गलतफहमियों को हल कर लिया है। ट्विटर के सीईओ ने कहा, अच्छी बातचीत। अन्य बातों के अलावा, हमने ट्विटर के बारे में गलतफहमी को दूर किया कि संभावित रूप से ऐप स्टोर से हटाया जा रहा है। टिम स्पष्ट थे कि एप्पल ने ऐसा करने पर कभी विचार नहीं किया।

विश्व की 100 ताकतवर महिलाओं की सूची में सीतारमण भी शामिल

- सीतारमण इस बार 36वें स्थान पर पहुंचीं लगातार चौथी बार बनाई जगह

नई दिल्ली । फोर्ब्स की दुनिया की 100 सबसे ताकतवर महिलाओं की सूची में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण बायोकॉन की कार्यकारी चेयरपर्सन किरण मजूमदार-शॉ और नाइका की संस्थापक फाल्गुनी नायर को भी शो मिल कर` लिया गया है। इस वार्षिक सूची में कुल छह भारतीय महिलाओं ने जगह बनाई है। सीतारमण इस बार 36वें स्थान पर पहुंची और उन्होंने लगातार चौथी बार इस सूची में जगह बनाई है। इससे पहले 2021 में वह 37वें स्थान पर थीं। वह 2020 में वह 41वें और 2019 में 34वें स्थान पर थीं। फोर्ब्स द्वारा जारी इस सूची के अनुसार इस साल मजूमदार-शॉ 72वें स्थान पर हैं जबकि नायर 89वें स्थान पर हैं। सूची में शामिल अन्य भारतीयों में एचसीएल टेक की चेयरपर्सन रोशनी नादर मल्होत्रा (53वां स्थान) भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की चेयरपर्सन माधवी पुरी बुच (54वां स्थान) और स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया (सेल) की चेयरपर्सन सोमा मंडल (67वां स्थान) शामिल हैं। मल्होत्रा मजूमदार-शॉ और नायर ने पिछले साल भी इस सूची में क्रमशः 52वां 72वां और 88वां स्थान हासिल किया था। सूची में 39 सीईओ और 10 राष्ट्राध्यक्ष शामिल हैं। इसके अलावा इसमें 11 अरबपति शामिल हैं जिनकी कुल संपत्ति 115 अरब डॉलर है।

फोर्ब्स सूची में नायर के बारे में कहा गया है कि इस 59 वर्षीय व्यवसायी ने दो दशकों तक एक निवेश बैंकर के रूप में काम किया आईपीओ लाईं और अन्य उद्यमियों को उनके सपने हासिल करने में मदद की। फोर्ब्स वेबसाइट के मुताबिक 41 वर्षीय मल्होत्रा एचसीएल टेक के सभी रणनीतिक फैसलों में अहम भूमिका निभाती हैं।

पीएसएलवी-एक्सएल रॉकेट मोटर ने पास किया टेस्ट : इसरो

चेन्नई। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने कहा कि इकोनॉमिक एक्सप्लोसिव्स लिमिटेड द्वारा पीएसएलवी-एक्सएल रॉकेट के लिए बनाई गई बूस्टर मोटर का प्रदर्शन संतोषजनक था।भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी ने बुधवार को श्रीहरिकोटा में अपने रॉकेट पोर्ट पर पीएसओएम-एक्सएल नामक बूस्टर मोटर का परीक्षण किया। इसरो के मुताबिक, इस परीक्षण से पीएसएलवी के लिए मंच तैयार करने की निजी उद्योग की क्षमता स्थापित हो गई है। उद्योग के माध्यम से पीएसएलवी के संपूर्ण उत्पादन की दिशा में यह पहला कदम है। इसरो ने 2019 में प्रौद्योगिकी को इकोनॉमिक एक्सप्लोसिव लिमिटेड, नागपुर को हस्तांतरित कर दिया था। अंतरिक्ष विभाग (डीओएस) न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड की वाणिज्यिक शाखा ने पांच पीएसएलवी-एक्सएल रॉकेट बनाने के लिए एचएएल-एल एंड टी के नेतृत्व वाले कंसोर्टियम का चयन किया है।

इंस्टाग्राम क्रिएटर्स को ब्लॉक किए गए पोस्ट की देगा जानकारी

नई दिल्ली। मेटा-स्वामित्व वाला इंस्टाग्राम अब क्रिएटर्स और व्यवसायों को बताएगा कि क्या उनके पोस्ट अन्य उपयोगकर्ताओं के लिए अनुशंसित नहीं हैं, और उन्हें प्लेटफॉर्म पर अनुशंसा और खोज सुविधाओं से ब्लॉक किया जा रहा है।इंस्टाग्राम के प्रमुख एडम मोसेरी ने कहा कि कंपनी खाता स्थिति का विस्तार कर रही है ताकि पेशेवर खाते यह समझ सकें कि क्या उनकी सामग्री गैर-अनुयायियों के लिए अनुशंसित होने के योग्य हो सकती है। मोसेरी ने ट्विटर पर पोस्ट किया, सेटिंग्स मेनू में, अकाउंट और फिर अकाउंट स्टेटस के तहत, पेशेवर खाते अब यह देख सकते हैं कि क्या उनके किसी पोस्ट को उन उपयोगकर्ताओं के लिए अनुशंसित होने से प्रतिबंधित किया गया है जो उनका पालन नहीं करते हैं। उन्होंने कहा, हम नए पारदर्शिता टूल की घोषणा कर रहे हैं ताकि आप देख सकें कि आपके फोटो और वीडियो की अनुशंसा की जाती है या नहीं। निर्माता और व्यवसाय प्रोफाइल सेटिंग में जा सकते हैं और देख सकते हैं कि क्या उनके द्वारा पोस्ट की गई कोई फोटो या वीडियो निकाल दिया गया है क्योंकि वे हमारे सामुदायिक मानकों या सामुदायिक दिशानिदेशरें का उल्लंघन करते हैं। एक्सप्लोर और अन्य स्थानों पर प्रदर्शित होने के योग्य होने के लिए, इंस्टाग्राम पोस्ट को सामुदायिक दिशानिदेशरें और अनुशंसित कंटेंट के नियमों का पालन करना चाहिए। अनुशंसाओं के अयोग्य होने के रूप में फ्लैग की गई पोस्ट पर इंस्टाग्राम के निर्णय को निर्माता और व्यवसाय संपादित कर सकेंगे, हटा सकेंगे या अपील कर सकेंगे। मोसेरी ने कहा, हम जानते हैं कि क्रिएटर्स के लिए यह समझना महत्वपूर्ण है कि इंस्टाग्राम कैसे काम करता है अगर वे इसे लंबे समय तक इस्तेमाल करने जा रहे हैं।

पेंटागन ने अमेजन, माइक्रोसॉफ्ट, गूगल, ओरेकल को 9 अरब डॉलर का क्लाउड प्रोजेक्ट दिया

सैन फ्रांसिस्को। (एजेंसी)

पेंटागन ने अपने बहु-अरब डॉलर के क्लाउड-कंप्यूटिंग अनुबंध को सभी प्रमुख खिलाड़ियों- अमेजन, गूगल, माइक्रोसॉफ्ट और ओरेकल से सम्मानित किया है जो 2028 तक कुल 9 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है।ज्वाइंट वॉरफाइटिंग क्लाउड कैपेबिलिटी (जेडब्ल्यूसीसी) मिशन के मालिकों को सीधे क्लाउड सर्विस प्रोवाइडर्स कॉन्ट्रैक्ट अवार्ड पाने वालों से अधिकृत कमर्शियल क्लाउड ऑफरिंग हासिल करने की अनुमति देगा। पेंटागन ने बुधवार को एक बयान में कहा, पुरस्कार के समय कोई धनराशि बाध्य नहीं की जा रही है, जैसे ही वे जारी किए जाते हैं, व्यक्तिगत आदेशों पर धन की बाध्यता होगी। इस अनुबंध का उद्देश्य रक्षा विभाग को सामरिक स्तर से सामरिक स्तर तक सभी सुरक्षा डोमेन और वर्गीकरण स्तरों पर उद्यम-व्यापी, विश्व स्तर पर उपलब्ध क्लाउड सेवाएं प्रदान करना है। 10 अरब डॉलर के जेईडीआई (ज्वाइंट एंटरप्राइज डिफेंस इन्फास्ट्रक्चर) क्लाउड कंप्यूटिंग अनुबंध पर एक युद्ध देखने के बाद, पेंटागन ने पिछले साल एक नई क्लाउड पहल की घोषणा की थी, जिसने दुर्भाग्यपूर्ण जेईडीआई अनुबंध को बदल दिया था। पेंटागन को 2019 में माइक्रोसॉफ्ट को दिया गया 10 अरब डॉलर का जेईडीआई अनुबंध रद्द करना पड़ा, जिससे पसंदीदा अमेजन डोनाल्ड ट्रम्प प्रशासन के दौरान दौड़ से बाहर हो गया। जेडब्ल्यूसीसी क्लाउड अनुबंध के लिए बोली लगाने के लिए अमेजन, माइक्रोसॉफ्ट, गूगल और ओरेकल जैसे सभी क्लाउड दिग्गजों को आमंत्रित किया गया था। पेंटागन ने पिछले साल नवंबर में एक बयान में कहा था, सरकार को दो अनुबंध देने का अनुमान है एक अमेजन वेब सर्विसिस एडब्ल्यूएस के लिए) और एक माइक्रोसॉफ्ट कॉर्पोरेशन (माइक्रोसॉफ्ट) के लिए, लेकिन सभी क्लाउड सर्विस प्रोवाइडर्स (सीएसपी) को देने का इरादा है जो डीओडी की आवश्यकताओं को पूरा करने की क्षमता प्रदर्शित करते हैं। जेईडीआई अनुबंध 10 वर्षों में प्रदान की गई सेवाओं के लिए पेंटागन के आईटी संचालन का आधुनिकीकरण करने के लिए था। अक्टूबर 2019 में माइक्रोसॉफ्ट को एक दशक लंबे अनुबंध से सम्मानित किए जाने के बाद, एडब्ल्यूएस ने निर्णय को चुनौती देते हुए सीधे डीओडी को एक बोली का विरोध दर्ज कराया था।

मीडियाटेक ने प्रीमियम 5जी स्मार्टफोन के लिए नई डाइमेंसिटी 8200 चिप की घोषणा की

तेपई। (एजेंसी)

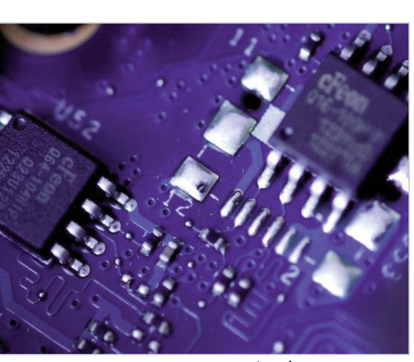

चिप निर्माता मीडियाटेक ने गुरुवार को प्रीमियम 5जी स्मार्टफोन के लिए नई डाइमेंसिटी 8200 चिप का अनावरण किया।कंपनी ने एक बयान में कहा कि नए चिपसेट से संचालित स्मार्टफोन कनेक्टिविटी, गेमिंग, मल्टीमीडिया, डिस्प्ले और इमेजिंग जैसे फ्लैगशिप स्तर के अनुभव प्रदान करेंगे। यह ऑक्टा-कोर सेंट्रल प्रोसेसिंग यूनिट (सीपीयू) से लैस है, साथ ही एक शक्तिशाली माली-जी610 ग्राफिक्स इंजन के साथ, एप्लिकेशन्स में बेहतर परफोर्मेंस के लिए इसमें चार आर्म कॉर्टेक्स-ए78 कोर हैं जो 3.1 गीगाहट्र्ज तक काम करते हैं। चिपसेट गेमिंग प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए मीडियाटेक की हाइपरइंजिन 6.0 गेमिंग तकनीक का उपयोग करता है ताकि उपयोगकर्ता कनेक्शन ड्रॉप, एफपीएस जिटर या गेमप्ले हिक्कप्स का अनुभव किए बिना स्मूथ हाई फैमरेट गेम का अनुभव कर सकें। मीडियाटेक की इंटेलिजेंट डिस्प्ले सिंक 2.0 तकनीक द्वारा देखने का सहज अनुभव संभव है, जो गेम फ्रेम रेट के अनुसार डिस्प्ले रिफ्रेश रेट को स्वचालित रूप से समायोजित करता है। मीडियाटेक की वायरलेस कम्युनिकेशंस बिजनेस यूनिट के उप महाप्रबंधक सीएच चेन ने कहा, मीडियाटेक डाइमेंसिटी 8200 प्रीमियम 5जी स्मार्टफोन पर गेमिंग अनुभव को बढ़ाएगा और हाई फ्रेमरेट, प्रभावशाली ग्राफिक्स और निर्बाध कनेक्टिविटी के साथ स्मूथ गेमप्ले प्रदान करेगा। नई चिप एक बार में तीन कैमरों के साथ 14-बिट एचडीआर (हाई डायनेमिक रेंज) वीडियो रिकॉर्ड कर सकती है और 320 एमपी पिक्चर्स का समर्थन करती है। चिपसेट ट्राई-बैंड वाई-फाई 6ई को भी सपोर्ट करता है, जो तेज वायरलेस कनेक्टिविटी देता है। मीडियाटेक ने कहा कि डायमेंसिटी 8200 चिप इसी महीने वैश्विक बाजार में लॉन्च होगी।

स्नैपचैट का नया एआर फीचर क्रिएटर्स को पैसे कमाने का देगा मौका

सैन फ्रांसिस्को। (एजेंसी)

स्नैपचैट की मूल कंपनी स्नैप ने घोषणा की है कि इसकी आगामी ऑगमेंटेड रियलिटी (एआर) फीचर क्रिएटर्स को पैसा बनाने में मदद करेगा।द वर्ज की रिपोर्ट के अनुसार, स्नैप ने इस सप्ताह की शुरुआत में अपने लेंसफेस्ट डेवलपर इवेंट में घोषणा की और दावा किया कि यह कुछ क्रिएटर्स के साथ लेंस बनाने के लिए काम कर रहा है जिसमें खरीदने योग्य डिजिटल सामान शामिल हैं। उपयोगकर्ता स्नैप टोकन के साथ डिजिटल सामान खरीद सकेंगे। कंपनी को उम्मीद है कि यह फीचर डेवलपर्स को पैसा बनाने में मदद करेगा और उन्हें निर्माण जारी रखने के लिए प्रेरित करेगा। स्नैप के मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी बॉबी मर्फी ने एक बयान में कहा, हम बहुत आशान्वित हैं कि यह स्नैपचैटर्स के लिए हमारे अनुभव के मूल्य का भुगतान करने के अधिक अवसर पैदा करेगा। और फिर और भी अधिक निवेश और समय और प्रयास को प्रेरित करें और उपयोग के मामलों के आसपास गुणवत्ता के स्तर को बढ़ाएं। स्नैप की लॉन्ग-टर्म संभावनाओं के लिए एआर व्यवसाय स्थापित करना महत्वपूर्ण है। कंपनी इस बात से अवगत है कि स्मार्टफोन पर फेस लेंस एआर का अंतिम रूप नहीं है क्योंकि लॉन्ग-टर्म विजन के लिए समर्पित चश्मे, हमेशा चालू अनुभव और बुद्धिमान सॉफ्टवेयर की आवश्यकता होती है।

स्विगी कर सकती है 250 से अधिक कर्मचारियों की छंटनी, फर्म ने कहा प्रदर्शन होगा आधार

नई दिल्ली।

जोमेटो के बाद, स्विगी इस महीने से 250 से अधिक कर्मचारियों या अपने कार्यबल के 5 प्रतिशत तक की छंटनी कर सकता है।ऑनलाइन फूड डिलिवरी प्लेटफॉर्म ने गुरुवार को आईएएनएस को बताया कि हालांकि अभी तक किसी भी कर्मचारी को नौकरी से नहीं निकाला गया है और उसने छंटनी के आंकड़े पर कोई टिप्पणी नहीं की। स्विगी के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, स्विगी में कोई छंटनी नहीं हुई है। हमने अपना प्रदर्शन चक्र अक्टूबर में समाप्त किया और सभी स्तरों पर रेटिंग और प्रचार की घोषणा की है। जैसा कि हर चक्र में होता है, हम प्रदर्शन के आधार पर छंटनी की उम्मीद कर रहे हैं। स्विगी में छंटनी की खबर सबसे पहले द इकोनॉमिक टाइम्स ने दी थी। आगामी छंटनी कैश बर्न को कम करने के लिए स्विगी की त्वरित वाणिज्य वितरण सेवा इंस्टामार्ट को भी प्रभावित करेगी। पिछले महीने वैश्विक ब्रोकरेज फर्म जेफरीज ने कहा था कि स्विगी भारी छूट की पेशकश के बावजूद अपने प्रतिद्वंद्वी जोमैटो के मुकाबले तेजी से बाजार हिस्सेदारी खो रही है। स्विगी के निवेशक प्रॉसस की वित्तीय रिपोर्ट का हवाला देते हुए जेफरीज ने कहा कि इस साल जनवरी-जून की अवधि में स्विगी के खाद्य वितरण कारोबार का सकल मूल्य 1.3 अरब डॉलर था। इसी अवधि में जोमैटो ने 1.6 अरब डॉलर का सकल ऑर्डर लॉग किया। जोमैटो ने पिछले महीने कहा था कि वह लागत में कटौती के प्रयासों और लाभदायक बनने के लिए अपने लगभग 3 प्रतिशत कर्मचारियों की छंटनी करने की योजना बना रही है। स्विगी ने वित्त वर्ष 2011 में अपने समेकित नुकसान को 58.7 प्रतिशत तक कम कर दिया। फूड एग्रीगेटर ने वित्त वर्ष 2020 में 3,920.4 करोड़ रुपये के नुकसान की तुलना में वित्त वर्ष 2021 में 1,616.9 करोड़ रुपये का घाटा बताया। हालांकि, वित्त वर्ष 2021 में इसका कुल राजस्व घटकर 2,675.9 करोड़ रुपये रह गया, जो वित्त वर्ष 2020 में 3,727.7 करोड़ रुपये था। इस साल मई में, स्विगी ने एक अज्ञात राशि के लिए डाइनआउट, एक डाइनिंग आउट और रेस्तरां टेक प्लेटफॉर्म का अधिग्रहण किया। सूत्रों के मुताबिक, अधिग्रहण का आकार करीब 20 करोड़ डॉलर था। इस साल की शुरुआत में, फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म ने 10.7 अरब डॉलर के मूल्यांकन पर इंवेस्को के नेतृत्व में 700 मिलियन डॉलर जुटाए थे।

नोएडा में मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक व ट्रांसपोर्ट हब प्रोजेक्ट की डीपीआर जल्द होगी तैयार

ग्रेटर नोएडा। (एजेंसी)

ग्रेटर नोएडा में मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक हब और ट्रांसपोर्ट हब की डीपीआर जल्द बनकर तैयार हो जाएगी। ग्रेटर नोएडा में ट्रांसपोर्ट हब बनने से नई दिल्ली स्टेशन, आनंद विहार स्टेशन समेत आईएसबीटी बस अड्डे का भी दबाव काफी कम होगा।

ज्यादातर पूर्वांचल की तरफ चलने वाली ट्रेनें और बसें लोगों को इसी मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट हब से मिल जाएंगी।ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एवं डीएमआईसी आईआईटीजीएनएल की प्रबंध निदेशक रितु माहेश्वरी ने मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक हब और मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट हब की समीक्षा की है। रितु माहेश्वरी ने दोनों परियोजनाओं की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट की प्रेजेंटेशन को देखा है। दोनों परियोजनाओं की डीपीआर एवं बिड डॉक्यूमेंट में कुछ संशोधन के सुझाव दिए गए हैं।

इन सुझाव पर अमल करते हुए दोनों परियोजनाओं की डीपीआर एवम बिड डॉक्यूमेंट शीघ्र फाइनल कराने के निर्देश दिए गए हैं। गौरतलब है कि कि मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट हब परियोजना के अंतर्गत रेलवे, बस अड्डा व मेट्रो कनेक्टिविटी विकसित की जाएगी। बोड़ाकी के पास ही ग्रेटर नोएडा रेलवे टर्मिनल बनाया जाएगा। यहां से पूरब की ओर जाने वाली अधिकतर ट्रेनें चलेंगी। इससे दिल्ली, नई दिल्ली और आनंद विहार टर्मिनल पर ट्रेनों का दबाव कम होगा। ट्रांसपोर्ट हब में ही अंतर्राज्यीय बस अड्डा भी बनेगा। मौजूदा नोएडा-ग्रेनो मेट्रो रूट का विस्तार भी मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट हब तक होना है। ट्रांसपोर्ट हब से लोकल बसें भी चलाई जाएंगी, जबकि मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक हब में वेयर हाउस, ऑफिस, होटल-रेस्टोरेंट आदि बनाए जाएंगे।

माइक्रोसॉफ्ट टीम्स फेसबुक ग्रुप्स को टक्कर देने के लिए कम्युनिटीज जोड़ेगा

सैन फ्रांसिस्को। (एजेंसी)

माइक्रोसॉफ्ट ने फेसबुक ग्रुप्स के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए एंड्रॉइड और आईओएस पर अपने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सॉफ्टवेयर टीम्स में एक नया कम्युनिटीज फीचर जोड़ने की घोषणा की है।कंपनी ने बुधवार को एक ब्लॉगपोस्ट में कहा, कम्युनिटीज एक नया अनुभव है जो उपयोगकर्ताओं को एक साथ आने, जुड़ने, साझा करने और सहयोग करने की अनुमति देता है। यह उपयोगकर्ताओं को आसानी से ग्रुप्स में सभी के लिए मैसेज पोस्ट करने, ईवेंट आयोजित करने और सभी को देखने के लिए सामुदायिक कैलेंडर में जोड़ने की अनुमति देता है। उपयोगकर्ता ग्रुप एक्टिविटी के लिए समर्पित डॉक्यूमेंट्स को शेयर और स्टोर कर सकते हैं और फोटो, वीडियो, ईवेंट और लिंक को त्वरित रूप से एक्सेस करने के लिए कंटेंट को फिल्टर कर सकते हैं। यह सुनिश्चित करने के लिए कि कम्युनिटी के सदस्य सुरक्षित महसूस करते हैं, कम्युनिटी ऑनर्स सेटिंग्स का प्रबंधन कर सकते हैं, कम्युनिटी दिशानिर्देश बना सकते हैं और आवश्यकतानुसार प्रतिभागियों और पोस्ट को जोड़कर या हटाकर कंटेंट की निगरानी कर सकते हैं। टीमों में कम्युनिटीज वर्चुअल, हाइब्रिड या इन-पर्सन इवेंट्स आयोजित करने के लिए एक नया ईवेंट अनुभव भी प्रदान करते हैं। ऑनलाइन आयोजनों के लिए, उपयोगकर्ता आसानी से डायल-इन जानकारी और एक लिंक जोड़ सकते हैं ताकि उपस्थित लोग बिना किसी परेशानी के भाग ले सकें। जबकि, इन-पर्सन इवेंट्स के लिए, उपयोगकर्ता एक स्थान में प्रवेश कर सकते हैं और प्रतिभागियों को विजुअल मैप के माध्यम से विशिष्ट दिशा-निर्देश प्रदान कर सकते हैं। माइक्रोसॉफ्ट ने यह भी घोषणा की है कि 2023 में, लोग वोलंटियर्स की भर्ती करने, इवेंट्स का कोऑर्डिनेट करने और विभिन्न प्रकार के साइन अप प्रबंधित करने के लिए साइनअपजेनियस को टीमों के भीतर एक्सेस कर सकते हैं।

टेलीग्राम ने भारत में पेश किया नो-सिम साइनअप फीचर

नई दिल्ली। (एजेंसी)

टेलीग्राम मैसेंजर ने गुरुवार को देश में नो-सिम साइनअप सहित अपने लेटेस्ट अपडेट में नए फीचर्स की घोषणा की।कंपनी ने एक बयान में कहा कि नो-सिम साइनअप फीचर उपयोगकर्ताओं को व्यक्तिगत रूप से या सामूहिक मंचों पर अपने फोन नंबरों का खुलासा किए बिना दूसरों के साथ संवाद करने की अनुमति देता है। यह प्लेटफॉर्म पर उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा को और बेहतर बनाने और उच्चतम स्तर की गोपनीयता बनाने के लिए सिम कार्ड के बिना टेलीग्राम खाते के लिए साइन अप करने की अनुमति देता है। उपयोगकर्ता फ्रैगमेंट प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध ब्लॉकचेन-संचालित गुमनाम नंबरों का उपयोग कर लॉग इन कर सकते हैं।

नो-सिम साइनअप के अलावा, मैसेजिंग प्लेटफॉर्म ने ऑटो-डिलीट ऑल चैट, टॉपिक्स 2.0, अस्थायी क्यूआर कोड और अन्य सहित कई अन्य फीचर पेश किए। पहले, उपयोगकर्ता केवल व्यक्तिगत चैट को हटाने में सक्षम थे, लेकिन अब ऑटो-डिलीट ऑल चैट्स के साथ, वे सभी नए चैट में संदेशों को स्वचालित रूप से हटाने के लिए एक ऑटो-डिलीट टाइमर सेट कर सकते हैं। टॉपिक्स 2.0 फीचर के साथ, 99 से अधिक सदस्यों वाले ग्रुप एडमिन दो-कॉलम मोड इंटरफेस के बाद विषयों में चर्चाओं को व्यवस्थित कर सकते हैं ताकि उपयोगकर्ता विषयों को ब्राउज करते समय आसानी से मौजूदा चैट ढूंढ सकें। प्लेटफॉर्म ने कहा, आईओएस यूजर्स एंड्रॉइड यूजर्स की तरह, कस्टम पैक सहित परफेक्ट इमोजी खोजने के लिए इमोजी सर्च का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसमें कहा गया, अब प्रीमियम उपयोगकर्ता टेलीग्राम कलाकारों द्वारा डिजाइन किए गए 10 और कस्टम इमोजी पैक के साथ संदेशों, प्रतिक्रियाओं और स्थितियों में खुद को अधिक आनंद ले सकते हैं और खुद को अभिव्यक्त कर सकते हैं।

रोहित चाहर और सेन बांग्लादेश के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय से बाहर हुए : द्रविड़

ढाका । भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने कहा है कि कप्तान रोहित शर्मा सहित तीन खिलाड़ी बांग्लादेश के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय मैच से बाहर हो गये हैं। द्रविड़ ने कहा कि रोहित विशेषज्ञ से सलाह लेने के लिए स्वदेश लौटेंगे। द्रविड़ ने खिलाड़ियों के चोटिल होने को लेकर कहा कि ये निराशाजनक है पर ये खेल का हिस्सा है। साथ ही कहा कि टेस्ट सीरीज में भारतीय कप्तान के खेलने को लेकर फैसला बाद में किया जाएगा। मुख्य कोच द्रविड़ ने कहा रोहित निश्चित रूप से अगला मैच नहीं खेलेंगे। वह अभी डॉक्टर से सलाह के लिए मुम्बई जाकर बात करेंगे और उसी के आधार पर उनके खेलने का फैसला होगा। वहीं दूसरे एकदिवसीय मैच में केवल तीन ओवर फेंकने वाले ऑलराउंडर दीपक चाहर को भी अंतिम एकदिवसीय मैच से बाहर कर दिया गया है जबकि दूसरे एकदिवसीय से बाहर रहने वाले कुलदीप सेन भी अंतिम मैच में नहीं खेलेंगे। द्रविड़ ने कहा वे तीनों ही अगला गेम नहीं खेलेंगे। बांग्लादेश की पारी के दौरान कैच पकड़ने के प्रयास में रोहित के अंगूठे में गेंद लग गयी थी जिसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाकर टांके लगाने पड़े। इसके बाद भी वह आठवे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे जिसकी द्रविड़ ने प्रशंसा की है।

पीकेएल : पिंक पैंथर्स के खिलाफ फाइनल लीग मैच में प्रतीक दहिया पर होंगी नजरें

(एजेंसी)

युवा रेडर प्रतीक दहिया के साथ, प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के सीजन 9 के दौरान गुजरात जायंट्स देर से फॉर्म में लौटा, जिसने गुजरात जायंट्स के अभियान को फिर से जीवित करने में मदद की है। चल रहे हैदराबाद लेग में चार मैचों की जीत की लय पर सवार जायंट्स के पास शीर्ष 6 में प्रवेश करने और प्लेआफ के लिए मुंबई की अपनी उड़ानें बुक करने का मौका है। इसके लिए उन्हें जयपुर पिंक पैंथर्स के खिलाफ अपने अंतिम लीग चरण के मैच को जीतना होगा। प्रतीक दहिया, जो अब तक टूर्नामेंट में दस सुपर 10 दर्ज कर अंक बटोर चुके हैं। तेलुगू टाइटन्स के खिलाफ जायंट्स की जीत में 17 अंक हासिल करने वाले प्रतीक भी लीग में शीर्ष-10 रेडर्स में शामिल हैं, जिनके नाम 166 अंक हैं। प्रतीक ने कहा, यह सब इसलिए है, क्योंकि हम अपने कोच राम मेहर सिंह के तहत प्रशिक्षण लेते हैं। वह हमारे प्रशिक्षण सत्रों के दौरान हमसे बहुत मेहनत करवाते हैं जो हमें मैट पर अच्छा प्रदर्शन करने में मदद करता है। मुझे पूरा यकीन है कि अगर चोटों ने हमारी टीम को उस तरह प्रभावित नहीं किया होता तो हम प्लेआफ के लिए क्वालीफाई कर चुके होते। पुनेरी पल्टन के खिलाफ जीत के बाद से, एक टीम जिसने पहले ही अगले दौर के लिए अपनी जगह पक्की कर ली है, जायंट्स उस टीम से असाधारण रूप से बदल गए हैं जो सीजन के पुणे चरण के दौरान रही थी। उन्होंने कहा, हमारी टीम अभी बहुत अच्छी स्थिति में है, और हम बहुत उत्साह के साथ खेल रहे हैं, और संयोजन भी हमारे लिए बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। हमें अपने पक्ष में कुछ परिणाम और जयपुर पिंक पैंथर्स के खिलाफ एक जीत की जरूरत है ताकि हम बेहतर प्रदर्शन कर सकें। प्लेआफ के लिए क्वालीफाई करें। हमारा आत्मविश्वास ऊंचा है और गति भी हमारी तरफ है। प्रतीक ने स्वीकार किया कि हाल ही में किस्मत में

आई तेजी के बाद टीम का प्रदर्शन बेहतर हुआ है। उन्होंने कहा, चीजें हमारे पक्ष में नहीं जा रही थीं, हमारी योजना उस तरह से काम नहीं कर रही थी, जैसा हम चाहते थे जब हमें चोटों के साथ झटका लगा था। लेकिन अब वह सब बदल गया है और कैंप में बहुत अलग माहौल है। प्रतीक ने स्वीकार किया कि हाल ही में किस्मत में आई तेजी के बाद टीम का प्रदर्शन बेहतर हुआ है।

पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज जीतने की तैयारी में इंग्लैंड

(एजेंसी) इंग्लैंड चयन दुविधा में विभिन्न विकल्पों पर विचार कर रहा है क्योंकि बेन स्टोक्स की टीम शुक्रवार से मुल्तान में शुरू हो रहे दूसरे मैच के माध्यम से पाकिस्तान में टेस्ट श्रृंखला जीत हासिल करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ संयोजन खोजने का प्रयास कर रही है। रावलपिंडी में पहले टेस्ट के समय पर शुरू होने पर संदेह के बावजूद, इंग्लैंड दौरे के मूल कार्यक्रम के अनुसार प्लेइंग इलेवन को मैदान में उतारने के लिए पर्याप्त रूप से फिट था और सबसे सपाट पिच पर पूरी तरह से हावी था, जिससे पाकिस्तान पर 74 रनों की शानदार जीत दर्ज की। तेज गेंदबाज मार्क वुड और पहली पसंद के विकेटकीपर बेन फोक्स क्रमश~ चोट और बीमारी के कारण रावलपिंडी में शानदार जीत से चूक गए। लेकिन यह जोड़ी मुल्तान टेस्ट के लिए फिर से फिट हो गई। रावलपिंडी टेस्ट के दूसरे दिन घुटने की चोट के कारण आलराउंडर लियाम लिविंगस्टोन सीरीज से बाहर हो गए थे, विल जैक्स के डेब्यू पर 6/161 लेने के बावजूद, अगर फोक्स फिट होते हैं तो वह बदकिस्मत खिलाड़ी बन सकते हैं। फोक्स स्टैंड-इन कीपर ओली पोप से ही कीपिंग ड्यूटी संभालेंगे। उन्होंने कहा, हमें अपने सभी विभिन्न विकल्पों पर विचार करना होगा। मुझे लगता है कि कुछ अलग विकल्प हैं जो हम एक दूसरे के सामने रखने जा रहे हैं और समझें कि इस टेस्ट मैच को आजमाने और जीतने का सबसे अच्छा विकल्प क्या है क्योंकि हमारे पास कुछ अन्य कारक हैं जिनसे हमें जूझना है। मुल्तान टेस्ट से पहले स्टोक्स ने कहा, इस समय हम अच्छी स्थिति में हैं। हमने खुद को उस स्थिति में पाया (पहले टेस्ट से पहले बीमारी) और हम अभी भी एक टीम चुनने में कामयाब रहे, जो एक मैच जीतने के लिए काफी मजबूत थी। जैसा कि मैंने कहा, हम किसी भी स्थिति में बातचीत कर सकते हैं। हमें क्या लगता है कि जीतने का सबसे अच्छा तरीका क्या है। वुड पाकिस्तान के सात मैचों के टी20 दौरे पर इंग्लैंड की जर्सी में लौटे थे और आस्ट्रेलिया में इंग्लैंड की टी20 विश्व कप जीत में एक बड़ी भूमिका निभाई थी, हालांकि चोट ने उन्हें सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबलों से बाहर कर दिया था, जिसके बाद अबु धाबी में टेस्ट टीम के तैयारी शिविर से भी चूक गए थे।

पंड्या की एकदिवसीय में वापसी से राहुल और अय्यर की जगह खतरे में पड़ेगी : गावस्कर

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है कि ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या की एकदिवसीय में वापसी पर लोकेश राहुल और श्रेयस अय्यर की जगह खतरे में पड़ सकती है। अभी पंड्या एकदिवसीय टीम का हिस्सा नहीं हैं। इस साल टी20 में उनका प्रदर्शन शानदार रहा है। गावस्कर के अनुसार राहुल अगर बेहतर विकेटकीपिंग करें तो उनकी जगह बच सकती है। इसके अलावा उन्हें बल्लेबाजी में भी निरंतरता रखनी होगी। उन्होंने कहा ' राहुल शीर्ष क्रम में बेहतर प्रदर्शन का प्रयास कर रहे हैं जबकि अय्यर मध्यक्रम में अपना प्रदर्शन दिखाने में लगे हैं। राहुल के लिए यह दौरा अच्छा अवसर है। वह किसी भी मुकाबले को हल्के में नहीं लेना चाहेंगे। वह हर मुकाबले में बड़ा स्कोर करने की तरफ देखेंगे। वहीं राहुल विकेटकीपिंग कर सकते हैं जो उनके लिए लाभ की बात है। इसलिए नंबर 5 और 6 के लिए इस तरह की प्रतियोगिता का होना अच्छा है पर यह नहीं भूलना है कि पंड्या एकदिवसीय में जल्द ही वापसी करेंगे।' पिछले कुछ समय में राहुल और अय्यर खराब दौर से गुजरे हैं। ऐसे में अब इन दोनो को ही बेहतर प्रदर्शन करना होगा। विश्वकप के बाद राहुल सहित कई खिलाड़ियों को तारोताजा होने के लिए ब्रेक दिया गया था।

2023 में ऑस्ट्रेलिया, श्रीलंका और न्यूजीलैंड की टीमें करेगी भारत का दौरा

नई दिल्ली।

भारत और आस्ट्रेलिया के बीच चार टेस्ट मैचों की श्रृंखला 9 फरवरी से 13 मार्च के बीच होगी जिसमें नागपुर, दिल्ली, धर्मशाला और अहमदाबाद में मैच खेले जाएंगे । बीसीसीआई ने बृहस्पतिवार को बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के कार्यक्रम की घोषणा की। इसके साथ ही जनवरी फरवरी में श्रीलंका और न्यूजीलैंड के खिलाफ सीमित ओवरों की श्रृंखला के कार्यक्रम का भी ऐलान किया गया । टेस्ट श्रृंखला विश्व चैम्पियपशिप सत्र का हिस्सा होगी। बीसीसीआई ने एक बयान में कहा, ''यह बॉर्डर . गावस्कर ट्रॉफी का आखिरी सत्र होगा जिसमें चार मैच खेले जायेंगे।'' जामथा में वीसीए स्टेडियम पर पहला टेस्ट नौ से 13 फरवरी के बीच होगा, जबकि दिल्ली में दूसरा टेस्ट 17 से 21 फरवरी के बीच खेला जायेगा । तीसरा टेस्ट धर्मशाला में एक से पांच मार्च के बीच होगा । आखिरी मैच नौ से 13 मार्च के बीच

अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम पर खेला जाएगा। दोनों टीमें तीन मैचों की वनडे श्रृंखला भी खेलेंगी जो मुंबई , वाइजेग और चेन्नई में क्रमश~ 17, 19 और 22 मार्च को खेले जाएंगे। जनवरी में श्रीलंका और न्यूजीलैंड की टीमें यहां तीन टी20 और तीन वनडे खेलने आएंगी। श्रीलंका के खिलाफ टी20 मैच तीन, पांच और सात जनवरी को क्रमश~ मुंबई, पुणे और राजकोट में होंगे । वहीं वनडे मैच गुवाहाटी, कोलकाता और त्रिवेंद्रम में 10, 12 और 15 जनवरी को खेले जायेंगे । न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे श्रृंखला के मैच हैदराबाद, रायपुर और इंदौर में 18, 21 और 24 जनवरी को होंगे । वहीं टी20 मैच 27 , 29 जनवरी और एक फरवरी को क्रमशः रांची, लखनऊ और अहमदाबाद में होंगे ।

संक्षिप्त समाचार

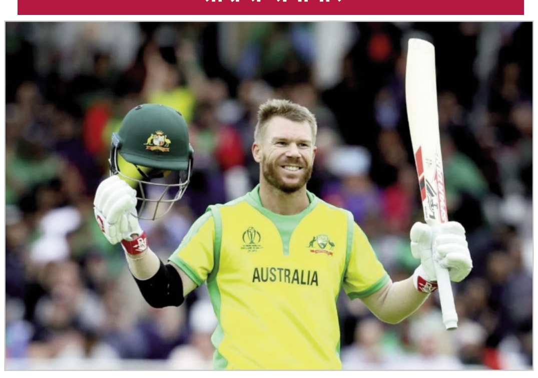

क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने डेविड वॉर्नर को बलि का बकरा बनाया: माइकल क्लार्क

नई दिल्ली।

आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क ने क्रिकेट आस्ट्रेलिया पर नेतृत्व प्रतिबंध की समीक्षा से निपटने के लिए बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर को फंसाने का आरोप लगाया है और दावा किया है कि शासी निकाय इस मामले में दोहरा मापदंड अपना रहा है। दक्षिण अफ्रीका के केप टाउन में 2018 की सैंडपेपर मामले में वार्नर, स्टीव स्मिथ और कैमरन बैनक्रॉफ्ट आरोपी थे। लेकिन केवल वार्नर को आजीवन नेतृत्व का प्रतिबंध मिला, जबकि स्मिथ को एक साल का प्रतिबंध और नेतृत्व के पदों पर 12 महीने का अतिरिक्त प्रतिबंध लगाया गया था। बुधवार को गुस्साए वार्नर ने आजीवन नेतृत्व प्रतिबंध को हटाने के लिए अपना आवेदन यह कहते हुए वापस ले लिया था कि स्वतंत्र समीक्षा पैनल इसे सार्वजनिक मुद्दा बनाना चाहता है। बिग स्पोर्ट्स ब्रेकफास्ट शो में क्लार्क ने कहा, आप जान सकते हैं कि वह निराश हैं। मुझे लगता है कि दूसरी बात जो शायद थोड़ी अधिक आहत करती है, वह यह है कि स्टीव स्मिथ इस टेस्ट मैच की कप्तानी करने जा रहे हैं। मैं डेविड की निराशा को समझ सकता हूं। दुर्भाग्य से मेरी राय में वह कप्तानी के मौके से चूक गए। स्मिथ वर्तमान में एडिलेड में वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट में आस्ट्रेलिया की कप्तानी कर रहे हैं क्योंकि कप्तान पैट कमिंस चोटिल हैं। मुझे नहीं लगता कि यह चिंता का विषय है, यह तथ्य है कि इसे संभालने में इतना समय लगा है। मैं इसे बहुत असंगत के रूप में देखता हूं। क्लार्क ने कहा, मुझे यह विश्वास करना बहुत कठिन लगता है कि यह एक खिलाड़ी के लिए ठीक है, लेकिन दूसरे के लिए नेतृत्व की भूमिका के लिए ठीक नहीं है। अगर सीए ने दक्षिण अफ्रीका में जो हुआ उसमें शामिल सभी लोगों के लिए यह फैसला किया होता कि उनमें से कोई भी नेतृत्व की भूमिका निभाने वाला नहीं है तो यह निष्पक्ष फैसला होता। क्लार्क का मानना है कि वार्नर को 2018 में सैंडपेपर मामले के लिए बलि का बकरा बनाया गया है। मैं नहीं जानता कि क्या डेविड वार्नर को पूरी तरह से बलि का बकरा बनाना और यह कहना उचित है कि बाकी सब सामान्य हो सकते हैं। हम आपको माफ कर देंगे, लेकिन हम डेविड को माफ नहीं करेंगे। क्लार्क ने कहा, मुझे यह विश्वास करना बहुत कठिन लगता है कि यह एक खिलाड़ी के लिए ठीक है, लेकिन दूसरे के लिए नेतृत्व की भूमिका के लिए ठीक नहीं है। अगर सीए ने दक्षिण अफ्रीका में जो हुआ उसमें शामिल सभी लोगों के लिए यह फैसला किया होता कि उनमें से कोई भी नेतृत्व की भूमिका निभाने वाला नहीं है तो यह निष्पक्ष फैसला होता।

भारतीय टीम की कमान सही हाथों में; कप्तान हरमनप्रीत कौर

मुंबई

भारत की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने उन दावों को खारिज किया है जिनमें कहा गया था कि पूर्व मुख्य कोच रमेश पोवार को खिलाड़ियों के साथ मतभेदों के कारण एनसीए में स्थानांतरित किया गया है और साथ ही कहा कि हृषिकेश कानितकर के बल्लेबाजी कोच बनने से टीम अब सही हाथों में है। मंगलवार को कानितकर को बल्लेबाजी कोच और पोवार को राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में स्पिन गेंदबाजी कोच के रूप में नियुक्त किया गया था। कानितकर, जिन्होंने इस साल की शुरूआत में वेस्ट इंडीज में भारत अंडर-19 को विश्व कप खिताब दिलाया था, जून-जुलाई में श्रीलंका के अपने व्हाइट-बॉल दौरे के दौरान महिला टीम के साथ थे और न्यूजीलैंड के नवंबर दौरे पर पुरुष टीम के बल्लेबाजी कोच भी थे। उन्होंने कहा, ठीक है, इस तरह का कुछ भी नहीं है। जब भी मुझे मौका मिला है, मैंने हमेशा रमेश सर के साथ काम करने का आनंद लिया है। एक टीम के रूप में, हमने (उनके तहत) बहुत सुधार किया है। हमने उनसे बहुत कुछ सीखा है। यह बीसीसीआई का फैसला है कि वह अब एनसीए में चले गए हैं, जहां वह स्पिन कोच के रूप में काम करेंगे। जब भी हम एनसीए में होंगे, सर हमेशा उपलब्ध रहेंगे। हरमनप्रीत ने कहा, ऋषि (हृषिकेश कानितकर) सर यहां हमारे साथ हैं। जब हम श्रीलंका में थे तो उनके साथ बहुत अच्छा अनुभव महसूस किया था। जब भी हम एनसीए में थे, वह हमेशा उपलब्ध थे। ऋषि सर टीम के लिए बहुत अनुभव लेकर आए हैं और हम केवल आगे देख रहे हैं कि इस टीम को कैसे आगे ले जाया जाए। मुझे लगता है कि हम सही हाथों में हैं। बीसीसीआई जो भी निर्णय ले रहा है, हम उसके साथ पूरी तरह से ठीक हैं। हरमनप्रीत ने टिप्पणी की है कि

कानितकर ने श्रीलंका के अपने दौरे के दौरान विशेष रूप से कठिन परिस्थितियों में टीम में शांति बनाए रखी।

रोहित स्वदेश लौटेंगे अभिमन्यु को टीम में शामिल किया जाएगा

मुम्बई। भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा चोटिल होने के कारण बांग्लादेश दौरे से शीघ्र ही स्वदेश लौटेंगे। रोहित को दूसरे एकदिवसीय में क्षेत्ररक्षण के दौरान एक गेंद लग गयी थी। अब वह जांच के लिए वापस लौट रहे हैं। ऐसे में रोहित का 14 दिसंबर से बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज में खेलना संभव नजर नहीं आ रहा। अब रोहित के बैकअप के तौर पर बंगाल के युवा सलामी बल्लेबाज अभिमन्यु ईश्वरन को शामिल किया जा सकता है। अभिमन्यु अभी बांग्लादेश में ही और भारत-ए के कप्तान हैं। उन्होंने बतौर सलामी बल्लेबाज बांग्लादेश-ए के खिलाफ दोनों ही मैचों में शानदार बल्लेबाजी की है। एक रिपोर्ट के अनुसार अभिमन्यु को टेस्ट टीम में जगह मिल सकती है। 27 साल के अभिमन्यु ने फर्स्ट क्लास लिस्ट-ए और टी20 को मिलाकर 25 शतक लगाए हैं। ऐसे में उनके पास बड़ा अनुभव है हालांकि उन्होंने अब तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट पदार्पण नहीं किया है। उन्होंने अब तक 77 फर्स्ट क्लास मैच में 44 की औसत से 5419 रन बनाए हैं। इसमें 17 शतक और 23 अर्धशतक शामिल हैं। इस प्रकार उन्होंने 40 बार 50 से अधिक रन की पारी खेली है। इसके साथ ही इस युवा बल्लेबाज ने 233 रन की बड़ी पारी भी खेली है। अभिमन्यु का रिकॉर्ड लिस्ट-ए क्रिकेट में भी अच्छा नहीं है। उन्होंने अब तक 78 मैच में 46 की औसत से 3376 रन बनाये हैं। इसमें 7 शतक और 21 अर्धशतक शामिल हैं। उनका स्ट्राइक रेट 82 का है। इसमें 149 रन उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर है। वहीं टी20 के रिकॉर्ड को देखें तो उन्होंने 27 मैच में 38 की औसत से 728 रन बनाए हैं। वहीं बंगाल के तेज गेंदबाज मुकेश कुमार या उमरान मलिक चोटिल मोहम्मद शमी की जगह शामिल किये जा सकते हैं। वहीं घुटने की सर्जरी के बाद एक भी मैच नहीं खेल पाये ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा सीधे टेस्ट खेलेंगे।

कार्तिक ने रोहित के प्रयास को साहसिक बताया

नई दिल्ली । टीम इंडिया के अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक ने भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा के चोटिल होने के बाद भी बल्लेबाजी के लिए उतरने के प्रयास को साहसिक बताया है। इस मैच में नौवें नंबर पर उतरने के बाद रोहित ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए अर्धशतक लगाया पर वह टीम को जीत नहीं दिला पाये। कार्तिक ने कहा उनका साहसी प्रयास बहुत अच्छा था। उन्हें स्क्रीन पर देखना काफी शानदार रहा। वह टीम के कप्तान हैं और उन्होंने दिखाया कि देश के लिए खेलना और आगे बढ़कर नेतृत्व करना कितना अहम होता है। उनका प्रयास सराहनीय था हालांकि अंत में बेहतर प्रदर्शन वाली टीम को जीत मिली। दूसरे एकदिवसीय मुकाबले की शुरुआत में ही स्लिप में फीलि्डंग करते हुए कप्तान रोहित शर्मा के अंगूठे में चोट लग गई थी। इस कारण वह मैदान से बाहर चले गये थे हालांकि इसके बाद भी वह बल्लेबाजी करने उतरे थे। चोट गंभीर होने के कारण उन्हें स्वदेश लौटना पड़ रहा है। अब वह तीसरे एकदिवसीय से बाहर हो गये हैं।

प्रसाद, सहवाग ने की बांग्लादेश में श्रृंखला हारने के बाद भारतीय वनडे टीम में बदलाव की मांग

नई दिल्ली।

वेंकटेश प्रसाद और वीरेंद्र सहवाग जैसे पूर्व क्रिकेटरों ने बुधवार को दूसरे मैच में बांग्लादेश से पांच रन की हार और वनडे सीरीज गंवाने के बाद भारतीय टीम के दृष्टिकोण में बदलाव की मांग की है। इतने ही मैचों में दूसरी बार भारत के गेंदबाजों ने बांग्लादेश के बल्लेबाजी क्रम को संभलने दिया और 2015 के बाद देश में लगातार दूसरी बार श्रृंखला हारने का मौका दिया। रविवार को आखिरी विकेट के लिए मेहदी हसन मिराज और मुस्ताफिजुर रहमान ने आखिरी छह ओवरों में भारत की सुस्ती का फायदा उठाकर बांग्लादेश को पहले वनडे में जीत दिला दी। बुधवार को मेहमान टीम ने बांग्लादेश के 19 ओवर में 69/6 हो जाने का फायदा गंवा दिया और मेहदी ने 83 गेंदों में नाबाद शतक जड़कर महमूदुल्लाह (77) के साथ शानदार रिकवरी करते हुए 148 रन की साझेदारी की। बांग्लादेश ने 50 ओवर में 271/6 बनाए। भारत के गेंदबाजों ने आखिरी 10 ओवर में 102 रन लुटाए। बल्ले के साथ, उनकी शुरूआत खराब रही क्योंकि विराट कोहली, शिखर धवन, वाशिंगटन सुंदर और केएल राहुल 19 ओवर में पवेलियन लौट गए। श्रेयस अय्यर ने 82 रन बनाए, अक्षर पटेल 56 रन और कप्तान रोहित शर्मा ने 28 गेंदों में 51 रनों की नाबाद पारी खेली। लेकिन भारत पांच रन से लक्ष्य से चूक गया। बांग्लादेश ने अक्टूबर 2016 से घर में एक श्रृंखला नहीं हारने के अपने सही रिकॉर्ड को बनाए रखने के लिए अपना धैर्य बनाए रखा। भारत के सीरीज गंवाने के बाद अपने दो ट्वीट में प्रसाद ने कहा कि टीम को इंग्लैंड की तरह कड़े कदम उठाने की जरूरत है ताकि सफेद गेंद की क्रिकेट में बेहतरी के लिए अपना रुख बदला जा सके। प्रसाद ने कहा, भारत दुनिया भर में इतने सारे क्षेत्रों में प्रयोग कर रहा है। लेकिन जब सीमित ओवरों की क्रिकेट खेलने की बात आती है, तो हमारा दृष्टिकोण एक दशक पुराना है। 2015 विश्व कप के पहले दौर से बाहर होने के बाद इंग्लैंड ने कठिन फैसले लिए और बेहतर बन गया। एक रोमांचक टीम, भारत को कड़े फैसले लेने की जरूरत है। उन्होंने कहा, दृष्टिकोण में भारी बदलाव करें। हमने आईपीएल शुरू होने के बाद से एक टी20 डब्ल्यूसी नहीं जीता

है और पिछले 5 साल वनडे में खराब रहे हैं, इसके अलावा महत्वहीन द्विपक्षीय जीत हासिल की है। बहुत लंबे समय से अपनी गलतियों से कुछ नहीं सीखा है। सीमित ओवरों की क्रिकेट में टीम में बदलाव की जरूरत है।

प्रसाद ने भारतीय टीम के खराब प्रदर्शन के लिए आईपीएल को जिम्मेदार बताया

नई दिल्ली । बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय क्रिकेट मुकाबले में टीम इंडिया की हार के बाद एक बार फिर आईपीएल का मुद्दा गरमा गया है। अब पूर तेज गेंदबाज वेंकटेश प्रसाद ने टीम इंडिया के खराब प्रदर्शन के लिए आईपीएल को जिम्मेदार बताया है। प्रसाद ने कहा कि अब टीम प्रबंधन को कड़े फैसले लेने होंगे। वहीं पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेन्द्र सहवाग ने टीम से जागने के लिए कहा है। भारतीय टीम साल 2013 के बाद से ही कोई आईसीसी खिताब भी नहीं जीत पायी है। प्रसाद ने कहा सीमित ओवरों के क्रिकेट में हमारी रणनीति काफी पुरानी है। उन्होंने कहा इंग्लैंड ने साल 2015 विश्व कप में पहले दौर से बाहर होने के बाद कठिन फैसले लिए और आज उनकी टीम कितनी बेहतर है यह सभी जानते हैं। इसी प्रकार भारतीय टीम प्रबंधन को भी अपनी नीति बदलनते हुए कठोर निर्णय लेने होंगे। प्रसाद ने साथ ही कहा आईपीएल शुरू होने के बाद से हीहम एक भी बार टी20 विश्व कप नहीं जीत सके और पिछले पांच साल में हमने द्विपक्षीय सीरीज जीतने के अलावा एकदिवसीय में भी कोई सफलता हासिल नहीं की है। उन्होंने कहा लंबे समय से अपनी गलतियों से हमने कोई सबक नहीं लिया है और हम एकदिवसीय क्रिकेट में कुछ खास नहीं कर पा रहे। इसलिए बदलाव जरूरी है।

ओमिक्रॉन संक्रमण ने वैज्ञानिकों को उलझाया

कोरोना के नए वेरिएंट ओमीक्रोन को लेकर वैज्ञानिक अभी भी उलझन में हैं, क्योंकि इसकी भयावहता को लेकर अलग-अलग दावे किए जा रहे हैं। दक्षिण अफ्रीका में जहां इसका प्रकोप सबसे ज्यादा रहा है, वहां किए गए एक अध्ययन में दावा किया गया है कि इसके संक्रमण के मामले हल्के हैं तथा पूर्व के संक्रमणों की तुलना में अस्पताल में भर्ती किए जाने की जरूरत कम पड़ रही है। नेचर में प्रकाशित रिपोर्ट के हवाले से कहा गया है कि ओमीक्रोन संक्रमण में पूर्व की तुलना में अस्पताल में भर्ती किए जाने की दर 29 फीसदी कम है। यह दावा एक स्वास्थ्य बीमा कराने वाली एजेंसी के आंकड़ों को आधार बनाकर किया गया है। लेकिन इसी रिपोर्ट में डेनमार्क के आंकड़ों का जिक्र किया गया है, जिसमें दावा है कि ओमीक्रोन एवं डेल्टा पीड़ितों के अस्पताल में भर्ती होने की दर में अंतर नहीं दिखता है। ब्रिटेन में भी ओमीक्रोन के मामले बढ़ रहे हैं तथा कुल मामलों में अभी तीन फीसदी मामले डेल्टा के पाए जा रहे हैं। लेकिन इस बीच इंपीरियल कालेज लंदन ने कहा कि ओमीक्रोन संक्रमितों के अस्पताल में भर्ती होने की दर डेल्टा की तुलना में कम नहीं प्रतीत होती है। एडिनबर्ग यूनिवर्सिटी के एपिडेमोलाजिस्ट मार्क वुलहाउस ने कहा कि अभी यह आंकड़े बेहद सीमित दायरे के हैं। इसलिए किसी अंतिम नतीजे पर नहीं पहुंचा जा सकता है तथा इसके आधार पर कोई नीतिगत निर्णय नहीं लिया जा सकता है। नई दिल्ली स्थित वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज के कम्युनिटी मेडिसिन के निदेशक प्रोफेसर जुगल किशोर कहते हैं कि अस्पताल में कितने ओमीक्रोन पीड़ित भर्ती हुए या नहीं इससे कोई नतीजा नहीं निकलता है। क्योंकि किसी देश में मध्यम लक्षणों वाले को अस्पताल में भर्ती करने की नीति है तो कहीं सिर्फ गंभीर मरीजों को ही भर्ती किया जाता है। यह उस देश की स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता पर भी निर्भर करता है।

डेढ़ से दो दिन में केस दोगुने हो रहे

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कोरोना का नए वेरिएंट ओमीक्रोन को लेकर बड़ी जानकारी दी। संगठन का कहना है कि डेढ़ से दो दिन में ओमीक्रोन के मामले दोगुने हो रहे हैं। जो चिंताजनक है। हालांकि, डब्ल्यूएचओ ने एक बार फिर कहा कि अभी भी इस बात के पर्याप्त सबूत नहीं हैं कि कोरोना वैक्सीन ओमीक्रोन के खिलाफ कितनी असरदार है। डब्ल्यूएचओ ने कहा है कि ओमीक्रोन उन देशों में डेल्टा वेरिएंट के मुकाबले अधिक तेजी से फैल रहा है जहां कम्यूनिटी ट्रांसमिशन दर्ज किया जा चुका है। वहां भी यह तेजी से बढ़ा है जहां बड़ी संख्या में लोग इम्यूनिटी हासिल कर चुके हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो जहां बड़ी आबादी को टीका लग चुका है। भारत भी उन देशों में शामिल है।

क्या होता है आंखों का लकवा

कई बार सेहत के प्रति लापरवाही बरतने या फिर जागरुकता की कमी की वजह से व्यक्ति को गंभीर रोगों का शिकार होना पड़ता है। ऐसा ही एक रोग है आंखों का लकवा। ऑक्यूलर पैरालिसिस आंखों से जुड़ी ऐसी गंभीर बीमारी है जिसकी अनदेखी करने पर व्यक्ति की नजर पूरी तरह प्रभावित हो जाती है। आइए जानते हैं आखिर क्या है यह रोग, इसके लक्षण और बचाव के तरीके।

क्या है आंखों का लकवा

ऑक्यूलर पैरालिसिस को हिंदी भाषा में आंखों का लकवा कहते हैं। यह एक ऐसी बीमारी है, जिसमें आंखों की पुतलियों का चलना-हिलना बंद हो जाता है। जिसकी वजह से व्यक्ति को देखने में परेशानी होने लगती है। दरअसल हर व्यक्ति की आंखों में 6 एक्स्ट्राऑक्युलर मसल्स होते हैं। जिसमें से 4 रेक्टाइ और 2 ऑबलिक मसल्स होते हैं। एक्स्ट्राऑक्युलर मसल्स की मदद से ही व्यक्ति अपनी आंखों को दाएं-बाएं, ऊपर-नीचे हिला पाता है। यदि किसी कारण इन एक्स्ट्राऑक्युलर मसल्स में आंशिक रूप से लकवा हो जाए तो फिर आइबॉल का मूवमेंट प्रभावित हो जाता है और व्यक्ति चाहते हुए भी अपनी आइबॉल को गति में नहीं ला पाता है। इसी स्थिति को आंखों का लकवा कहा जाता है।

आंखों के लकवा के लक्षण

- आंखों में तेज दर्द के साथ आंखें लाल होना और आंखों से लगातार पानी बहते रहना।
- आंखों की पुतलियों का अचानक से एक ही दिशा में बने रहना या पलकें नीचे गिर जाना।
- डबल विजन जिसमें व्यक्ति को एक वस्तु दो दिखाई देती है।
- मरीज का जी मिचलाना और चक्कर आना।

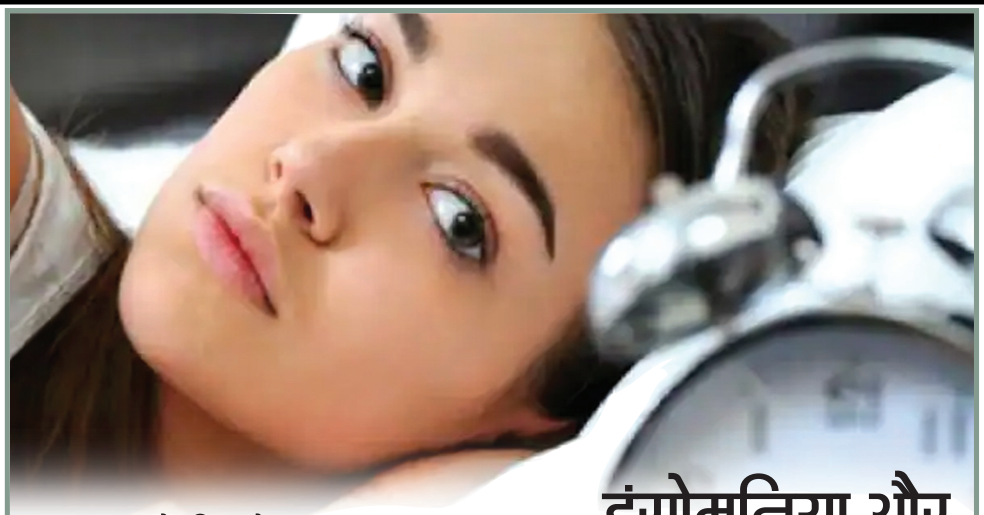

इंसोमनिया और ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया का कॉकटेल है कॉस्मिया

क्या आप 'इंसोमनिया' के साथ-साथ 'ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया' से भी जूझ रहे हैं? अगर हां तो संभल जाइए। 'यूरोपियन रेस्पिरेटरी जर्नल' में छपे एक ऑस्ट्रेलियाई अध्ययन में 'इंसोमनिया' और 'ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया' के कॉकटेल यानी 'कॉस्मिया' को ज्यादा घातक करार दिया गया है। शोधकर्ताओं ने इसका सामना करने वाले लोगों में हृदयरोगों से मौत का खतरा कई गुना ज्यादा पाया है।

सबसे आम बीमारियां

विशेषज्ञों के मुताबिक 'इंसोमनिया' और 'ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया' नींद से जुड़ी सबसे आम बीमारियां हैं। वैश्विक स्तर पर 10 से 30 फीसदी आबादी के इनके शिकार होने का अनुमान है। बड़ी संख्या में ऐसे पीड़ित भी मौजूद हैं, जिन्हें दोनों की शिकायत होती है।

क्या हैं प्रमुख लक्षण

फ्लिंडर्स यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने बताया कि 'इंसोमनिया' में व्यक्ति को सोने में दिक्कत, बार-बार नींद टूटने और जल्द आंख खुलने की शिकायत सताती है। वहीं, 'ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया' में खर्राटे, गला चोक होने और सांस लेने में तकलीफ की समस्या आम है।

हाइपरटेंशन का जोखिम

डॉ.बेस्टियन लेचत के नेतृत्व में शोधकर्ताओं ने नींद की बीमारियों से जूझ रहे 5000 से अधिक मरीजों के स्वास्थ्य डाटा का विश्लेषण किया। इस दौरान 'कॉस्मिया' के शिकार लोगों में हाइपरटेंशन (उच्च रक्तचाप) का खतरा दोगुना मिला। उनमें हृदयरोगों की आशंका भी 70 फीसदी ज्यादा पाई गई।

असामयिक मौत का खतरा

कॉस्मिया' से पीड़ित लोगों के वक्त से पहले मौत का शिकार होने का जोखिम भी 47 फीसदी अधिक दर्ज किया गया है। चूंकि, 'इंसोमनिया' और 'ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया' का कॉकटेल ज्यादा जानलेवा है, इसलिए एक का सामना कर रहे मरीज में दूसरे के लक्षणों पर भी गौर फरमाना जरूरी है।

ठंड में दही के साथ खाएं थोड़ी सी किशमिश मिलेंगे बेमिसाल फायदे

इसमें कोई दो राय नहीं है कि ठंड के दिनों में खाने के लिए कुछ खास नहीं होता है। अन्य मौसम के मुकाबले ठंड में कई सारी चीजें होती है जो आपको स्वस्थ भी रहती है और संक्रमण से भी बचाती है। हालांकि ठंड में पानी कम पीते हैं जिससे डाइजेशन की समस्या हो जाती है साथ ही ठंड में दही नहीं खाने की सलाह दी जाती है। ऐसे में डाइजेशन के लिए सबसे बेहतर विकल्प बंद हो जाता है। लेकिन आप किशमिश के साथ दही का सेवन करेंगे तो वो बेहद फायदेमंद होगा।

किशमिश में भरपूर मात्रा में आयरन, पोटेशियम, मैग्नीशियम होता है। वहीं दही में कैल्शियम, प्रोटीन, विटामिन, आयरन, विटामिन बी6, विटामिन बी 12 जैसे जरूरी पोषक तत्व पाए जाते हैं। इन दोनों चीजों को साथ में खाने से भरपूर पोषण मिलता है। तो आइए जानते हैं दही और किशमिश को साथ में खाने के फायदे

इम्युनिटी

दोनों को मिक्स कर खाने से इम्युनिटी मजबूत होती है। इसमें भरपूर एंटीऑक्सीडेंट रहता है। जिससे संक्रमण की चपेट में आने से बच जाते हैं।

पाचन क्रिया को करें दुरस्त

ठंड में आपकी पाचन क्रिया कमजोर नहीं होती है दरअसल, पानी नहीं पीने से प्रभावित होती है। जिससे भोजन पूरी तरह से डाइजेस्ट नहीं हो पाता है। और पेट खराब हो जाता है। इसलिए ठंड के मौसम में प्यास नहीं लगने पर भी पानी पीते रहना चाहिए।

त्वचा को निखारे

अगर आप चेहरे को निखारने के लिए चेहरे पर कुछ न कुछ लगाती है लेकिन निखार नहीं आता है तो दही और किशमिश खाएं। इसका सेवन करने से चेहरे का ग्लो बढ़ेगा स्किन सॉफ्ट और स्मूथ बनेगी।

एनर्जी बढ़ाए

जी हां, इसका सेवन करने से एनर्जी लेवल बढ़ेग। दरअसल, दही आपके इम्यूनिटी बढ़ाता है। वहीं दाख ठंड के मौसम का ही है। जब आपक मौसमी चीजें खाते हैं तो आपका रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। और जब इम्युनिटी स्ट्रांग होती है तो किसी संक्रमण की चपेट में जल्दी नहीं आते और जल्दी ठीक हो जाते हैं।

उषा पान करने के चमत्कारिक फायदे

उषा पान का आयुर्वेदिक ग्रंथों में उल्लेख मिलता है। हमारे ऋषि-मुनि और प्राचीनकाल के लोग उषा पान करके सेहतमंद बने रहते थे। परंतु आधुनिक युग में व्यक्ति यह सबकुछ भूल गया है। क्या आपको पता है कि उषा पान क्या होता और क्या आपको यह भी पता है कि उषापान करने के क्या फायदे हैं। यदि नहीं तो जानिए कि यह क्या होता है।

उषा पान क्या होता है?

हिन्दू धर्मानुसार दिन-रात मिलाकर 24 घंटे में आठ प्रहर होते हैं। औसतन एक प्रहर तीन घंटे या साढ़े सात घटी का होता है जिसमें दो मुहूर्त होते हैं। एक प्रहर एक घटी 24 मिनट की होती है। दिन के चार और रात के चार मिलाकर कुल आठ प्रहर।आठ प्रहर के नाम : दिन के चार प्रहर- 1पूर्वान्ह, 2मध्यान्ह, 3अपरान्ह और 4सायंकाल। रात के चार प्रहर- 5 प्रदोष, 6निशिथ, 7त्रियामा एवं 8उषा। इसमें से जो उषा काल है उस दौरान उठकर पानी पीने को ही उषा पान कहते हैं। परंतु आजकल लोग ऐसा नहीं करते क्योंकि लोगों की दिनचर्या बदल गई है और वे सुबह जल्दी नहीं उठ पाते हैं। ऐसे में जब वे देर रात को खाना खाते हैं तो उस दौरान पानी पी लेते हैं और फिर उन्हें उषा काल में पानी की प्यास नहीं लगती है। यदि लगती भी है तो वे नींद के आलस के मारे उठकर पानी नहीं पीते हैं।

उषा पान के 10 फायदे

- रात के चौथे प्रहर को उषा काल कहते हैं। रात के 3 बजे से सुबह के 6 बजे के बीच के समय को रात का अंतिम प्रहर भी कहते हैं। यह प्रहर शुद्ध रूप से सात्विक होता है। इस प्रहर में जल की गुणवत्ता बिल्कुल बदल जाती है। इसीलिए यह जल शरीर के लिए बहुत ही फायदेमंद होगा है।
- शरीर की जैविक घड़ी के अनुसार इस समय में फेफड़े क्रियाशील रहते हैं। यदि हम इस काल में उठकर गुनगुना पानी पीकर थोड़ा खुली हवा में घूमते या प्राणायाम करते हैं तो फेफड़ों की कार्यक्षमता बढ़ती है, क्योंकि इस दौरान उन्हें शुद्ध और ताजी वायु मिलती है।
- यदि ऐसा करते हैं तो जब प्रात: 5 से 7 बजे के बीच हमारी बड़ी आंत क्रियाशील रहती है तब इस बीच मल त्यागने में किसी भी प्रकार की कोई परेशानी नहीं होती है। जो व्यक्ति इस वक्त सोते रहते हैं और मल त्याग नहीं करते हैं उनकी आंतें मल में से त्याज्य द्रवांश का शोषण कर मल को सुखा देती हैं। इससे कब्ज तथा कई अन्य रोग उत्पन्न होते हैं।
- 'काकचण्डीश्वर कल्पतन्त्र' नामक आयुर्वेदीय ग्रन्थ के अनुसार रात के पहले प्रहर में पानी पीना विषतुल्य, मध्य रात्रि में पिया गया पानी दूध सामान और प्रात: काल (सूर्योदय से पहले उषा काल में) पिया गया जल मां के दूध के समान लाभप्रद कहा गया हैं।
- आयुर्वेदीय ग्रन्थ 'योग रत्नाकर' के अनुसार जो मनुष्य सूर्य उदय होने के निकट समय में आठ प्रसर (प्रसृत) मात्रा में जल पीता हैं, वह रोग और बुढ़ापे से मुक्त होकर 100 वर्ष से भी अधिक जीवित रहता हैं।
- उषापान करने से कब्ज, अत्यधिक एसिडिटी और डाइस्पेसिया जैसे रोगों को खत्म करने में लाभ मिलता है।
- उषापान करने वाले की त्वचा भी साफ और सुंदर बनी रहती है।
- प्रतिदिन उषापान करने से किडनी स्वस्थ बनी रहती है।
- प्रतिदिन उषापान करने से आपको वजन कम करने में भी लाभ मिलता है।
- उषापान करने से पाचन तंत्र दुरुस्त होता है।

खास बातें

- तांबे के लोटे में पीए पानी। रात में तांबे के बरतन में रखा पानी सुबह पीएं तो अधिक लाभ होता है।
- वात, पित्त, कफ, हिचकी संबंधी कोई गंभीर रोग हो तो पानी ना पीएं।
- अल्सर जैसे कोई रोग हो तो भी पानी ना पीएं।

मध्य रात्रि में दूध तथा सूर्योदय से ठीक पहले किया गया उषा पान अमृत समान

गंदगी को शरीर से बाहर निकाल फेंकने के लिए उषा पान जैसा अस्त्र भारतीय परम्परा की ही देन हैं, जो भारतीय महाऋषियों के शरीर विषयक सूक्षम एवं विषद अध्ययन की खूबसूरत अभिव्यक्ति हैं.कहा जाता है की उनकी इस खोज ने अच्छे-अच्छे व्यक्ति को आज फिट बना के रखा है.

बर्तन का महत्व

लोहे के बर्तन में रखा हुआ दूध और ताम्बे के बर्तन में रखा हुआ पानी पीने वाले को कभी यकृत (लिवर) और रक्त (ब्लड) सम्बन्धी रोग नहीं होते और उसका रक्त हमेशा शुद्ध बना रहता हैं.उषा पान के लिए पिया जाने वाला जल ताम्बे के बर्तन में रात भर रखा जाए, तो उस से और भी स्वस्थ्य लाभ प्राप्त हो सकेंगे.जल से भरा ताम्बे का बर्तन सीधे भूमि के संपर्क में नहीं रखना चाहिए, अपितु इसको लकड़ी के टुकड़े पर रखना चाहिए. और पानी हमेशा नीचे उकडू (घुटनो के बल – उत्कर आसान) बैठ कर पीना चाहिए.ऐसे लोग जिन्हे यूरिक एसिड बढे होने की शिकायत हैं, उनके लिए तो सुबह उषा पान करना किसी रामबाण औषधि से कम नहीं.

प्रात: काल रात्रि के अंतिम प्रहार में पिया जाने वाल जल दूध इत्यादि को आयुर्वेद एवं भारतीय धर्म शास्त्रो में उषा पान शब्द से संबोधित किया गया हैं.सुप्रसिद्ध आयुर्वेदीय ग्रन्थ 'योग रत्नाकर' सूर्य उदय होने के निकट समय में जो मनुष्य आठ प्रसर (प्रसृत) मात्रा में जल पीता हैं, वह रोग और बुढ़ापे से मुक्त होकर सौ वर्ष से भी अधिक जीवित रहता हैं.

उषा पान कब करना चाहिए

प्रात: काल बिस्तर से उठ कर बिना मुख प्रक्षालन (कुल्ला इत्यादि) किये हुए ही पानी पीना चाहिए.कुल्ला करने के बाद पिए जाने वाले पानी से सम्पूर्ण लाभ नहीं मिल पाता.ध्यान रहे पानी मल मूत्र त्याग के भी पहले पीना हैं.

जल की नैसर्गिक शक्ति

जल में एक नैसर्गिक विद्युत होती हैं, जो रोगो का विनाश करने में समर्थ होती हैं.इसलिए जल के विविध प्रयोगो से शरीर के सूक्षम अति सूक्षम, ज्ञान तंतुओ के चक्र पर अनूठा प्रभाव पड़ता हैं, जिस से शरीर के मूल भाग मस्तिष्क की शक्ति एवं क्रियाशीलता में चमत्कारिक बढ़ोतरी होती हैं.

चीनी हैकरों के गिरोह ने अमेरिका को लगाया जबरदस्त चूना, कोविड-19 रिलीफ से करोड़ों डॉलर की रकम चुराई

वाशिंगटन। चीनी हैकरों के गिरोह ने अमेरिका को जबरदस्त चूना लगाया है। 2020 के बाद से गिरोह ने अमेरिका के कोविड-19 रिलीफ से करोड़ों डॉलर की चोरी कर ली है। अमेरिका की सीक्रेट सर्विस ने इस बात का खुलासा किया है। एनबीसी न्यूज ने देश की गुप्त सेवा का हवाला देते हुए बताया कि चीन स्थित हैकर्स ने बेरोजगारी बीमा कोष और लघु व्यवसाय प्रशासन ऋण सहित यूएस कोविड राहत लाभों में से कम से कम 20 मिलियन डॉलर चुरा लिए। चीनी सरकार से जुड़े हैकर चेंगदू स्थित एक समूह से हैं जिन्हें APT41 के नाम से जाना जाता है। साइबर सिक्योरिटी के विशेषज्ञों के अनुसार गिरोह में चीन की सरकार के समर्थक साइबर घुसपैठिए और पैसे के लिए डेटा चुराने वाले लोग एक मिलाजुला साइबर क्राइम का संगठन चलाते हैं। एनबीसी को बताया, 卐यह सोचना पागलपन होगा कि इस समूह ने सभी 50 राज्यों को निशाना नहीं बनाया। यूएस सीक्रेट सर्विस ने अन्य जांचों के दायरे की पुष्टि करने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि 1,000 से अधिक जांच चल रही है। हाल के महीनों में, अमेरिका ने चीन से निकलने वाले जासूसी के मामलों में वृद्धि देखी है। पिछले महीने, तीन अलग-अलग मामलों में अमेरिकी सरकार ने अपनी सरकार के लाभ के लिए संयुक्त राज्य में अवैध रूप से प्रभाव डालने के कथित प्रयासों के लिए चीन के सुरक्षा और खुफिया तंत्र के सदस्यों और उनके एजेंटों सहित 13 व्यक्तियों पर आरोप लगाया। जैसा कि ये मामले प्रदर्शित करते हैं, चीन की सरकार ने संयुक्त राज्य में व्यक्तियों के अधिकारों और स्वतंत्रता में हस्तक्षेप करने और उन अधिकारों की रक्षा करने वाली हमारी न्यायिक प्रणाली को कमजोर करने की मांग की।

ईरान ने विरोध-प्रदर्शन के दौरान गिरफ्तार कैदी को फांसी दी

ईरान ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसने देश में जारी विरोध-प्रदर्शनों के दौरान कथित रूप से किए गए एक अपराध के सिलसिले में एक कैदी को फांसी दे दी है। तेहरान द्वारा यह इस तरह के मामलों में दी गई मौत की पहली सजा है। ईरान की मिजान समाचार एजेंसी ने गिरफ्तार आरोपी को फांसी दिए जाने की जानकारी दी। उसने बताया कि आरोपी के खिलाफ तेहरान में एक सड़क को अवरुद्ध करने और सुरक्षा बल के एक जवान पर हमला करने का आरोप सिद्ध हुआ था। ईरान 16 सितंबर को हिजाब नियमों के उल्लंघन के आरोप में गिरफ्तार की गई 22 वर्षीय युवती महसा अमीनी की पुलिस हिरासत में मौत होने के बाद से ही विरोध-प्रदर्शनों का सामना कर रहा है।

भूकंप के जबरदस्त झटकों से हिली इंडोनेशिया की धरती, कोई बड़ा नुकसान नहीं

इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता और मुख्य द्वीप जावा के विभिन्न हिस्सों में बृहस्पतिवार सुबह भूकंप के जबरदस्त झटके महसूस किए गए। हालांकि, इस दौरान जान-माल के नुकसान की फिलहाल कोई खबर नहीं है। भूकंप से राजधानी जकार्ता में गगनचुंबी इमारतें कई सेकेंड तक हिलती रहीं। कुछ इमारतों में निवासियों को बाहर निकालने का आदेश भी जारी किया गया। अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण ने कहा कि रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 5.8 आंकी गई है। इसका केंद्र पश्चिम जावा प्रांत के सिरंजंग-हिलिर से 14 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में 123.7 किलोमीटर की गहराई में था। पश्चिम जावा वही प्रांत है, जहां के सियानजुर शहर में 21 नवंबर को आए 5.6 तीव्रता के भूकंप से कम से कम 334 लोगों की मौत हो गई थी और लगभग 600 अन्य घायल हो गए थे। यह इंडोनेशिया में 2018 में आए भूकंप और सुनामी के बाद सबसे जबरदस्त भूकंप था, जिसमें लगभग 4,340 लोग मारे गए थे। इसकी गहराई भी ज्यादा नहीं थी। इंडोनेशिया भूकंप के प्रति बेहद संवेदनशील माना जाता है, लेकिन जकार्ता में इसके झटके कम ही महसूस किए जाते हैं।

भीषण आग लगने से 300 दुकानें जलकर खाक, कोई हताहत नहीं

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में मशहूर संडे बाजार में बुधवार को भीषण आग लग गयी, जिसमें करीब 300 दुकानें जलकर खाक हो गईं। मीडिया में आयी खबरों के अनुसार, बाजार के प्रवेश द्वार नंबर सात के समीप आग लगी, जहां पुराने कपड़े और कालीन बिकते हैं। अधिकारियों ने बताया कि दमकल की 10 गाड़ियां कई घंटे तक आग बुझाने के लिए मशक्कत करती रहीं। बहरहाल, घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। खबरों के अनुसार, आग इतनी भीषण थी कि इसने तेजी से दुकानों को अपनी चपेट में ले लिया, जिसमें 300 से अधिक दुकानें जलकर खाक हो गईं।

कनाडा में पंजाब की लड़की की गोली मारकर हत्या, परिजन बोले- 'हमें न्याय चाहिए'

टोरंटो। कनाडा में हाल ही के दिनों में एक पंजाब की 21 वर्षीय लड़की की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। लड़की के माता-पिता का कहना है कि हमें बहुत अफसोस है कि हमने अपनी बेटी को कनाडा भेजा, हमें न्याय चाहिए। ब्रैम्पटन की रहने वाली पवनप्रीत कौर की तीन दिसंबर की रात मिसिसॉगा में पेट्रो कनाडा गैस स्टेशन के बाहर कई गोलियां मारकर हत्या कर दी गई थी। पवनप्रीत के पिता देविंदर सिंह ने ओमनी पंजाबी चैनल से कहा कि हम सिर्फ अपनी बेटी के लिए न्याय चाहते हैं। हमें हमारी बेटी वापस तो नहीं मिलेगी, लेकिन जल्द से जल्द हत्यारे को गिरफ्तार किया जाना चाहिए। जिस बेटी को हमने पालकर बढ़ा किया वह अब कभी हमारे पास वापस नहीं आएगी। रिपोर्ट के अनुसार, पवनप्रीत 18 साल की उम्र में स्टूडेंट वीजा पर कनाडा गई थी। सिंह ने कहा कि भारत में हर किसी के लिए अपने बच्चों को कनाडा भेजने का क्रेज है, इसलिए हमने बेटी को कनाडा भेजा था। ब्रैम्पटन में उनके रिश्तेदारों ने उन्हें उनकी बेटी की मौत की जानकारी दी। वहीं पवनप्रीत की मां जसवीर कौर का कहना है कि हमें अपनी बेटी को कनाडा भेजने का बेहद अफसोस है। जसवीर कौर ने भावुक होकर कहा कि हमने उसे कम उम्र में पढ़ने के लिए क्यों भेजा? हमें उसे अपने पास रखना चाहिए था। पील रीजनल पुलिस ने हाल ही में पवनप्रीत के हत्यारे को लेकर कुछ जानकारी साझा की है। पुलिस का कहना है कि संदिग्ध आरोपी ने डार्क विंटर जैकेट, डार्क विंटर बूट्स, डार्क पैंट्स और व्हाइट ग्लव्स पहने थे। ऐसा लगता है संदिग्ध ने करीब से लड़की को गोली मारी थी। पुलिस ने यूट्यूब पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में कहा कि उन्हें पवनप्रीत के हत्यारे द्वारा इस्तेमाल की गई बाइक मिली है। ये बाइक चोरी की बताई जा रही है। रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस आरोपी को पकड़ने के लिए हर एंगल से मामले की जांच कर रही है।

सऊदी ने 2023 के बजट को 4.26 अरब डॉलर अधिशेष के साथ मंजूरी दी

रियाद। सऊदी अरब की कैबिनेट ने 16 अरब रियाल (4.26 अरब डॉलर) के अधिशेष वाले राज्य के बजट को मंजूरी दे दी है। समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने स्थानीय मीडिया के हवाले से बताया कि किंग सलमान बिन अब्दुलअजीज अल सऊद के नेतृत्व में कैबिनेट सत्र के दौरान बजट को मंजूरी दी गई। बजट में 1.13 ट्रिलियन रियाल का राजस्व और 1.114 ट्रिलियन रियाल का खर्च शामिल है। क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान अल सऊद ने कहा कि 2023 के राज्य के बजट का उद्देश्य क्षेत्रीय और क्षेत्रीय रणनीतियों के अनुसार पूंजीगत परियोजनाओं पर खर्च को प्राथमिकता देना है, जिससे अधिशेष सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 2.6 प्रतिशत होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि बजट में प्राप्त अधिशेष को सरकारी भंडार को मजबूत करने, राष्ट्रीय निधियों का समर्थन करने और साम्राज्य की वित्तीय स्थिति को मजबूत करने के लिए निर्देशित किया जाएगा।

पाकिस्तान ने सऊदी अरब से तत्काल 3 अरब डॉलर नकद देने का किया अनुरोध

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान ने अपने विदेशी मुद्रा भंडार के काफी नीचे गिरने के बाद सऊदी अरब से तत्काल 3 अरब डॉलर देने का अनुरोध किया है। नए सेना प्रमुख के सऊदी अरब की अपनी आगामी पहली यात्रा के दौरान राहत पैकेज हासिल करने में भूमिका निभाने की उम्मीद है। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने मंत्रालय के एक बयान का हवाला देते हुए बताया कि वित्त मंत्री इशाक डार ने सऊदी राजदूत नवाफ बिन सईद अल-मल्की के साथ एक बैठक के दौरान यह अनुरोध किया। लगातार दूसरे दिन वित्त मंत्री ने विदेशी राजनयिकों के साथ वित्तीय सहायता प्राप्त करने के प्रयासों में बैठकें कीं और साथ ही अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) को देश को 1.2 अरब डॉलर की किश्त जारी करने पर अपने रुख को नरम करने के लिए प्रभावित किया। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने बताया कि डार का 3 अरब डॉलर के नकद राहत पैकेज के लिए अनुरोध पिछले ऋण के समान मनी रोलओवर से अधिक है। पाकिस्तान को तत्काल पैसे की जरूरत है। जनवरी 2019 के बाद पहली बार देश का विदेशी मुद्रा भंडार 7 अरब डॉलर के स्तर से नीचे गिर गया है। वर्तमान भंडार लगभग 6.7 अरब डॉलर है, जो 18 जनवरी, 2019 को लगभग 6.6 अरब डॉलर के बराबर था। सूत्रों के मुताबिक, चालू वित्त वर्ष की जनवरी-मार्च अवधि के दौरान 6.7 अरब डॉलर का भंडार 8.8 अरब डॉलर के मूलधन और ब्याज भुगतान के लिए पर्याप्त नहीं है। सूत्रों ने कहा कि बैठक के दौरान इस बात पर भी चर्चा हुई कि नए सेनाध्यक्ष जनरल आसिम मुनीर जल्द ही सऊदी अरब का दौरा करेंगे।

महामारी के खिलाफ लड़ाई में प्राप्त उपलब्धियों ने रणनीतिक अनुकूलन के लिए अवसर दिये- चीनी चिकित्सा विशेषज्ञ

बीजिंग । ल्यांग वानन्यान चीनी राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग की महामारी प्रतिक्रिया और निपटान के लिए कार्य दल के विशेषज्ञ समूह के प्रमुख हैं। हाल ही में उन्होंने चाइना मीडिया ग्रुप को दिए एक इन्टरव्यू में कहा कि चीन ने महामारी के खिलाफ़ लड़ाई में प्रमुख उपलब्धियां प्राप्त की हैं, जिन्होंने देश में रणनीतिक अनुकूलन के अवसर दिये हैं। उन्होंने कहा कि तीन सालों में महामारी के खिलाफ़ लड़ाई में चीन ने रणनीतिक परिणाम प्राप्त किये, और महामारी की रोकथाम व नियंत्रण और सामाजिक आर्थिक विकास को संतुलित किया। ऐसा कहा जा सकता है कि चीन ने लाखों लोगों को संक्रमण और मौत से बचा लिया, चीन को लोगों का तहेदिल से समर्थन और अंतरराष्ट्रीय समुदाय की व्यापक प्रशंसा मिली है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि चीन ने रोकथाम और नियंत्रण रणनीतियों और उपायों का अनुकूलन और सुधार जारी रखने के अवसर की भी प्रतीक्षा की है। उदाहरण के लिए चीन में ओमिक्रॉन वायरस की घातकता दर में उल्लेखनीय कमी आयी है, टीका व दवाएं उपलब्ध हैं, देश में व्यापक टीकाकरण कवरेज दर और अनुपात है, रोकथाम और नियंत्रण में सुधार के लिए बेहतर आपातकालीन तंत्र स्थापित किया जा चुका है, लोगों की स्वास्थ्य साक्षरता, महामारी विरोधी ज्ञान और क्षमता आदि में भी सुधार हुआ है। इन सभी ने देश में महामारी की रोकथाम और नियंत्रण के लिए नीतिगत कदम उठाने के लिए नींव रखा है। ल्यांग वानन्यान के मुताबिक, चीन वायरस के उत्परिवर्तन और रोग की विशेषताओं पर लगातार ध्यान देते हुए देश में वास्तविक स्थिति और रोकथाम व नियंत्रण की क्षमता के अनुसार बुनियादी स्थितियों को अनुकूलित करना जारी रखेगा। महामारी के खिलाफ़ तीन सालों की लड़ाई में चीन ने सिलसिलेवार उपाय अपनाए हैं, और उन्हें लगातार अनुकूलित करेगा। लक्ष्य है कि महामारी के मुकाबले में लोगों की जान सुरक्षा और शारीरिक स्वास्थ्य की और अच्छी तरह रक्षा की जाए, रोकथाम व नियंत्रण तथा सामाजिक आर्थिक विकास को संतुलित किया जाए।

खत्म हुई एलन मस्क की बादशाहत! इस शख्स ने छीन लिया दुनिया के सबसे रईस का ताज

लंदन। (एजेंसी)। दुनिया के सबसे रईस अरबपति का ताज अब एलन मस्क से छिन चुका है। फोर्ब्स के अनुसार ट्विटर के नए बॉस और टेल्सा के सीईओ एलोन मस्क ने दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति के रूप में अपना पहला स्थान खो दिया है। लुइस वुइटन के सीईओ बर्नार्ड अरनॉल्ट कुछ घंटों के लिए दुनिया के सबसे अमीर शख्स बन गए थे। बर्नार्ड अरनॉल्ट की कुल संपत्ति 185.8 बिलियन डॉलर थी, जो मस्क से लगभग 400 मिलियन डॉलर अधिक थी।

मस्क के फिसलने के पीछे मुख्य कारण कथित तौर पर ट्विटर का अधिग्रहण करने का उनका निर्णय था, जिसके लिए टेस्ला के सीईओ को 44 बिलियन डॉलर का निवेश करने की आवश्यकता थी, जिसके परिणामस्वरूप उनकी संपत्ति 200 बिलियन डॉलर से कम हो गई। टेस्ला के शेयरधारकों के अनुसार, ट्विटर पर मस्क के अडिग ध्यान ने टेस्ला के स्टॉक की मात्रा को कम करने के लिए प्रेरित किया, साथ ही सीईओ ने खुद लगभग 20 मिलियन शेयर बेचे जो कि लगभग 4 बिलियन डॉलर थे।

हालांकि बाद में मस्क की संपत्ति बढ़ी और वह 185.7 बिलियन डॉलर तक पहुंच गई। फोर्ब्स की रियल टाइम सूची के अनुसार, गुरुवार, 8 दिसंबर को सुबह 8.45 बजे अरनॉल्ट परिवार की संपत्ति तो मस्क से ज्यादा थी, लेकिन व्यक्तिगत रूप से एलन मस्क 185.4 बिलियन डॉलर की संपत्ति के साथ शीर्ष पर बने हुए थे। चूंकि दोनों की संपत्ति के आंकड़े में ज्यादा फर्क नहीं है तो यह लिस्ट कई बार बदल रही है।

यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की को टाइम ने पर्सन ऑफ द ईयर 2022 घोषित किया

यूक्रेन के वलोडिमिर ज़ेलेंस्की को टाइम पर्सन ऑफ द ईयर चुना गया हैं। विश्व प्रसिद्ध मैगजीन टाइम ने अपने ताजा अंक में कवर पेज पर जेलेंस्की को स्थान दिया है। 44 वर्षीय ज़ेलेंस्की ने खुद को अवज्ञा और लोकतंत्र के प्रतीक के रूप में स्थापित किया क्योंकि वह यूक्रेन पर रूस के अकारण हमलों के माध्यम से राष्ट्र का नेतृत्व करना जारी रखा है। जेलेंस्की ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर यूक्रेन की आवाज को बुलंदी से रखा है और यूक्रेन पर युद्ध थोपने के लिए रूस के राष्ट्रपति पुतिन के कदम की कड़ी निंदा की है और उन्हें हमलावर करार दिया है। युद्ध के बीच, ज़ेलेंस्की एक बहादुर व्यक्ति के रूप में उभरकर सामने आए हैं जो न केवल अपने देश बल्कि अन्य यूरोपीय देशों को भी प्रेरित कर रहे हैं। जैसे ही रूस ने देश पर आक्रमण किया, ज़ेलेंस्की ने मार्शल लॉ घोषित कर दिया। उसने हर उस यूक्रेनी को हथियार सौंपे जो अपने देश की रक्षा करना चाहता था।

एनडीएए को भारत के साथ सहयोग का विस्तार करने की आवश्यकता है : सीनेटर वार्नर

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के एक शीर्ष सीनेटर मार्क वॉर्नर ने बुधवार को कहा कि अमेरिका के लिये वार्षिक रक्षा बजट प्रदान करने वाले कानून 'राष्ट्रीय रक्षा प्राधिकरण अधिनियम' (एनडीएए) के तहत पेंटागन को उभरती प्रौद्योगिकी, तत्परता और अन्य समान के लिए भारत के साथ अपने सहयोग का विस्तार करने की आवश्यकता है।

सीनेट इंटेलिजेंस कमेटी के अध्यक्ष और सीनेट इंडिया कॉकस के सह-अध्यक्ष वॉर्नर ने कहा कि एनडीएएए रक्षा और विदेश मंत्रालयों को उभरती प्रौद्योगिकी, संयुक्त अनुसंधान एवं विकास, रक्षा व साइबर क्षमताओं और सहयोग को बढ़ाने का निर्देश देते हुए भारत के साथ संबंध गहरे करना जारी रखेगा। इसमें भारत की रूस निर्मित रक्षा उपकरणों पर निर्भरता को कम करना भी शामिल है।

सीनेट और प्रतिनिधि सभा की संयुक्त समिति के एनडीएए के मसौदे को लेकर एक समझौते पर पहुंचने के बाद सीनेटर के कार्यालय ने कहा कि ये प्रावधान भारत के साथ रक्षा साझेदारी के महत्व को रेखांकित करने और रक्षा प्रणालियों में विविधता लाने के लिए भारत के त्वरित प्रयासों का समर्थन करने की दिशा में वॉर्नर की कोशिशों का समर्थन करते हैं। इसे अभी कांग्रेस के दोनों सदन में औपचारिक रूप से पारित किया जाना बाकी है।

ईसीओएसओसी ने नौ गैर-सरकारी संगठनों को दी मान्यता

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)। संयुक्त राष्ट्र आर्थिक एवं सामाजिक परिषद (ईसीओएसओसी) ने चीन, रूस तथा भारत सहित कई देशों की आपत्तियों के बावजूद नौ गैर-सरकारी संगठनों को विशेष सलाहकार का दर्जा देने के पक्ष में मतदान किया है। संयुक्त राष्ट्र की छह प्रमुख निकायों में से एक ईसीओएसओसी आर्थिक और सामाजिक मुद्दों से संबंधित निकाय है। ईसीओएसओसी ने नौ समूहों को विशेष सलाहकार का दर्जा देते हुए बुधवार को आर्थिक एवं सामाजिक परिषद के साथ 'एपलिकेशन्स ऑफ नॉन-गर्वमेंट ऑर्गनाइजेशन फॉर कंसल्टेटिव स्टेटस' पर अमेरिका के मसौदे पर मतदान किया।

इन गैर-सरकारी संगठनों में इंटरनेशनल दलित सॉलिडेरिटी नेटवर्क (आईडीएसएन), अरब यूरोपियन सेंटर ऑफ ह्यूमन राइट्स एंड इंटरनेशनल लॉ, बहरीन सेंटर फॉर ह्यूमन राइट्स, कॉप्टिक सॉलिडेरिटी गल्फ सेंटर फॉर ह्यूमन राइट्स, अंतर्क्षेत्रीय गैर-सरकारी मानवाधिकार संगठन मैन एंड लॉ, द एंड्री रिलकोव फाउंडेशन फॉर हेल्थ एंड सोशल जस्टिस, द वर्ल्ड यूनियन ऑफ कोसैक एटामैन्स और वर्ल्ड विदाउट जेनोसाइड शामिल हैं। मतदान में मसौदे के पक्ष में 24 मत पड़े, जबकि इसके खिलाफ 17 वोट आए। वहीं 12 सदस्य मतदान के समय मौजूद नहीं थे।

'ह्यूमन राइट्स वॉच' (एचआरडब्ल्यू) में संयुक्त राष्ट्र के निदेशक लुई चार्बोनियू ने मंगलवार को एक बयान में कहा था कि आर्थिक एवं सामाजिक परिषद में संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों को ''नौ मानवाधिकारों और अन्य नागरिक संगठनों को मान्यता देने के लिए मतदान करना चाहिए, जिनके संयुक्त राष्ट्र के आवेदन चीन, रूस और भारत सहित कई देशों द्वारा मान्यता प्रक्रिया में बाधा डालने के कारण अटके हुए हैं।''

चार्बोनियू ने कहा, ''आईडीएसएन को मान्यता देने मेंसबसे बड़ी बाधा भारत ने पेश की है, आईडीएसएन दुनिया भर में जातिगत भेदभाव व अन्य प्रकार के भेदभाव को खत्म किए जाने की वकालत करता है।''चार्बोनियू ने कहा कि इन नौ समूहों को मान्यता देने से संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों को संयुक्त राष्ट्र में नागरिक संगठनों के महत्व के बारे में एक ''कड़ा संकेत'' जाएगा।

अमेरिका ने बताया ड्रोन, मिसाइल आपूर्ति के लिए ईरान की मदद ले सकता है रूस

वाशिंगटन (एजेंसी)। यूक्रेन में युद्ध के लिए हथियारों की आपूर्ति बनाए रखने में संघर्ष कर रहा मॉस्को अब रूसी सेना को ड्रोन विमानों और सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइलों की आपूर्ति के लिए एक बार फिर ईरान का रुख कर सकता है। घटनाक्रम से वाकिफ दो अमेरिकी अधिकारियों ने यह जानकारी दी। राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के अधिकारियों ने नाम न जाहिर करने की शर्त पर बताया कि अमेरिका इस बात को लेकर चिंतित है कि रूस आने वाले दिनों में ईरान से उन्नत पारंपरिक हथियार हासिल कर सकता है। उन्होंने कहा कि अमेरिका विशेष रूप से चिंतित है कि रूसी सेना ईरान से सतह पर सतह पर मार करने वाली मिसाइलें खरीद कर सकता है। इस बीच, संयुक्त राष्ट्र के एक राजनयिक ने कहा कि ईरान ने सुरक्षा परिषद के वर्ष 2015 के प्रस्ताव का उल्लंघन करते हुए रूस को सैकड़ों मिसाइलें और ड्रोन विमान बेचने की योजना बनाई है। इस प्रस्ताव ने तेहरान और छह प्रमुख विश्व शक्तियों के बीच ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर हुए समझौते का समर्थन किया था। राजनयिक के मुताबिक, 2015 के समझौते के हस्ताक्षरकर्ताओं में रूस भी शामिल है। उन्होंने कहा कि रूस द्वारा समझौते के उल्लंघन से कहीं ज्यादा अहम यह सवाल है कि ईरान से ड्रोन और मिसाइल के बदले मॉस्को उसे क्या देगा।

धार्मिक स्वतंत्रता की ब्लैकलिस्ट से भारत के बाहर होने पर पाक ने अमेरिका से जताई नाराजगी

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान ने गुरुवार को अमेरिका के देश को अपनी धार्मिक स्वतंत्रता ब्लैकलिस्ट में जोड़ने और भारत को इससे बाहर करने के हालिया फैसले पर कड़ा ऐतराज जताते हुए कहा कि यह फैसला 'पाकिस्तान की जमीनी हकीकत से अलग' है। दि न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, विदेश कार्यालय (एफओ) के प्रवक्ता मुमताज जहरा बलूच के हवाले से दिए गए एक बयान में, इस बात पर प्रकाश डाला गया कि पाकिस्तान में 'अंतर-धार्मिक सद्भाव की समृद्ध परंपरा के साथ बहु-धार्मिक और बहुलवादी समाज' है। पिछले हफ्ते, अमेरिका ने अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता पर पाकिस्तान, चीन, क्यूबा और निकारागुआ को ब्लैक लिस्ट (2021 से विशेष चिंता वाले देश) में डालते हुए संभावित प्रतिबंधों का रास्ता खोल दिया था। एफओ प्रवक्ता ने पाकिस्तान को ब्लैकलिस्ट में डालने के अमेरिकी विदेश विभाग के 'एकतरफा और मनमाना' कहे जाने पर 'गहरी चिंता और निराशा' व्यक्त की। द न्यूज ने बताया कि भारत को 'धार्मिक स्वतंत्रता का सबसे बड़ा उल्लंघनकर्ता' कहते हुए, उन्होंने सवाल किया कि यूएससीआईआरएफ द्वारा 'क्लियर रिकमेंडेशन' के बावजूद देश को ब्लैकलिस्ट से बाहर क्यों रखा गया। द न्यूज ने बताया कि उन्होंने कहा, 'स्पष्ट चूक' पूरी प्रक्रिया की विश्वसनीयता और पारदर्शिता के बारे में गंभीर सवाल उठाती है और इसे एक व्यक्तिपरक और भेदभावपूर्ण अभ्यास बनाती है,। एफओ प्रवक्ता ने इस पर प्रकाश डालते हुए कहा, 'धार्मिक अल्पसंख्यकों के साथ भारत के व्यवहार पर अंतर्राष्ट्रीय चिंता अमेरिकी कांग्रेस की कई सुनवाई और मानवाधिकारों के लिए संयुक्त राष्ट्र के उच्चायुक्त, संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद के विशेष प्रक्रिया जनादेश धारकों और प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय गैर सरकारी संगठनों की रिपोर्ट का विषय रही है।'

25 संदिग्ध कट्टरपंथियों को हिरासत में लिया गया, सरकार को उखाड़ फेंकने की कोशिश करने वाले संदिग्ध चरमपंथियों के खिलाफ छापेमारी

इस्लामाबाद (एजेंसी)। जर्मनी के ज्यादातर क्षेत्रों में बुधवार को हजारों पुलिस अधिकारियों ने कथित रूप से सरकार को उखाड़ फेंकने की कोशिश करने वाले संदिग्ध चरमपंथियों के खिलाफ छापेमारी की। अधिकारियों ने बताया कि 25 लोगों को हिरासत में लिया गया है। संघीय अभियोजकों ने बताया कि लगभग 3,000 अधिकारियों ने जर्मनी के 16 राज्यों में से 11 में 130 ठिकानों पर छापेमारी की। न्याय मंत्री मार्को बुशमैन ने छापेमारी को ''आतंकवाद विरोधी अभियान'' बताया।

उन्होंने कहा कि यह संदेह है कि संदिग्धों ने देश के संस्थानों पर सशस्त्र हमले की साजिश रची थी। जर्मनी के शीर्ष सुरक्षा अधिकारी ने कहा कि समूह ''हिंसक तख्तापलट का मंसूबा और षड्यंत्रकारी विचारधाराओं से प्रेरित था।'' समूह के कुछ सदस्यों ने युद्ध के बाद अस्तित्व में आए जर्मनी के संविधान को स्वीकार करने से इनकार कर दिया और सरकार को सत्ता से बाहर करने का आह्वान भी किया। अभियोजकों ने बताया कि जर्मनी के 22 नागरिकों को ''एक आतंकवादी संगठन का सदस्य होने'' के संदेह में हिरासत में लिया गया है।

अन्य तीन लोगों में एक रूसी नागरिक भी शामिल है जिन पर संगठन की मदद करने का संदेह है। पत्रिका 'डेर स्पिगल' की खबर के अनुसार, जर्मनी के विशेष बलों की इकाई केएसके के दक्षिण-पश्चिमी शहर काल्व के बैरक की भी तलाशी ली गई। हालांकि, संघीय अभियोजकों ने न इसकी पुष्टि की और न इससे इनकार किया। अभियोजकों ने कहा कि हिरासत में लिये गये लोगों में से एक व्यक्ति को ऑस्ट्रियाई शहर किट्ज़बेल में और दूसरे को इतालवी शहर पेरुगिया में हिरासत में लिया गया था।

अभियोजकों ने कहा कि हिरासत में लिए गए लोगों पर आरोप है कि उन्होंने पिछले साल जर्मनी में मौजूदा व्यवस्था को पलटने के मंसूबे के साथ एक ''आतंकवादी संगठन'' बनाया था। अभियोजकों ने कहा कि संदिग्धों को पता था कि उनका उद्देश्य केवल सैन्य साधनों और बल के माध्यम से हासिल किया जा सकता है। अभियोजन पक्ष के अनुसार, समूह के कुछ सदस्यों ने एक छोटे सशस्त्र समूह के साथ जर्मनी की संघीय संसद पर हमला करने की साजिश रची थी।

यात्रा के लिए पश्चिम बंगाल जा सकते हैं राहुल, प्रियंका

कोलकाता। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाद्रा 'भारत जोड़ो यात्रा' के 28 दिसंबर से शुरू होने वाले पश्चिम बंगाल चरण में भाग लेने के लिए इस महीने के उत्तरार्ध में राज्य का दौरा कर सकते हैं। पार्टी के एक नेता ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यात्रा का बंगाल चरण दक्षिण 24 परगना जिले के सागर द्वीप में कपिल मुनि आश्रम से शुरू होगा और दार्जीलिंग तक जारी रहेगा। पश्चिम बंगाल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ नेता ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, 'हम 'भारत जोड़ो यात्रा' के तहत पश्चिम बंगाल में करीब 800 किलोमीटर की दूरी तय करेंगे। हमनें 28 दिसंबर को सागर द्वीप में कपिल मुनि के आश्रम से यात्रा शुरू करने की योजना बनाई है। हम कार्यक्रम के लिए राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और अन्य नेताओं को आमंत्रित करेंगे।' उन्होंने कहा कि 'भारत जोड़ो यात्रा' का राज्य चरण 55 दिनों तक जारी रहेगा और इस दौरान यह दक्षिण 24 परगना, उत्तर 24 परगना, पुर्व और पश्चिम मेदिनीपुर, कोलकाता, नादिया, मुर्शिदाबाद, मालदा, उत्तर और दक्षिण दिनाजपुर व दार्जीलिंग जिलों से होकर गुजरेगी।

भारत जोड़ो यात्रा के दौरान, भाजपा कार्यकर्ता होने का दावा करने वाले व्यक्ति ने स्वयं को आग लगाने की कोशिश की

नई दिल्ली। भाजपा कार्यकर्ता होने का दावा करने वाले एक व्यक्ति ने बृहस्पतिवार को यहां राजीव गांधी की प्रतिमा के सामने आत्मदाह करने का प्रयास किया। यह घटना ऐसे समय में सामने आयी है जब राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा यहां से गुजर रही है। हालांकि, वहां मौजूद लोगों और सुरक्षाकर्मियों ने उसे आत्मदाह करने से पहले ही रोक लिया। घटना राजीव गांधी नगर की है। व्यक्ति की पहचान कुलदीप शर्मा (30) के रूप में हुई है, जो शहर के तलवंडी इलाके का रहने वाला प्रॉपर्टी डीलर है। कोटा युवा भाजपा जिलाध्यक्ष सुदर्शन गौतम ने पुष्टि की कि शर्मा ने खुद को आग लगाने की कोशिश की, जबकि पुलिस ने इस तरह की किसी भी घटना से इनकार किया। शर्मा को आत्मदाह से बचाने के लिए घेरने वाले लोगों का एक वीडियो बाद में सोशल मीडिया पर सामने आया। गौतम ने कहा कि शर्मा भाजपा या उसके किसी भी संबद्ध संगठन से जुड़े नहीं हैं, लेकिन वह पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ रहे और 'हिंदू विरोधी गतिविधियों' के लिए गांधी परिवार से नाराज थे।

ईडी ने बैंक ऋण धोखाधड़ी मामले में 77.28 करोड़ की संपत्ति कुर्क की

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुवार को कहा कि उन्होंने 265.64 करोड़ रुपये के बैंक ऋण धोखाधड़ी से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग मामले की रोकथाम के संबंध में आर्कन एंजिकॉन लिमिटेड के चंद्रशेखर बालकृष्ण पंचाल और अन्य की 77.28 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति कुर्क की है। ईडी ने सेंटर ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (सीबीआई) ईओबी, मुंबई द्वारा दर्ज दो एफआईआर के आधार पर आर्कन एंजिकॉन लिमिटेड, पांचाल और अन्य के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग जांच शुरू की। सीबीआई ने उनके खिलाफ आईपीसी की विभिन्न धाराओं के तहत भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया था, जिसमें यह आरोप लगाया गया था कि आर्कन एंजीकॉन लिमिटेड ने भारतीय स्टेट बैंक, आईडीबीआई बैंक और अन्य कंसोर्टियम बैंकों को धोखाधड़ी के तरीके से ऋण चुकाने में चूक की थी, जिससे बैंकों को 265.64 करोड़ रुपये का अनुचित नुकसान हुआ। ईडी ने जांच की जिसमें पता चला कि फर्म एसबीआई और अन्य कंसोर्टियम बैंकों से विभिन्न ऋण सुविधाओं का लाभ उठा रही थी और विभिन्न संस्थाओं और कंपनी के निदेशकों के व्यक्तिगत खातों में धनराशि भेज दी गई थी। ईडी के अधिकारी ने कहा, 'अब, ईडी ने आर्कन एंजिकॉन लिमिटेड और अन्य संबंधित व्यक्तियों के नाम पर रखी गई विभिन्न संपत्तियों का पता लगाया है और 77.28 करोड़ रुपये की अचल संपत्तियों को कुर्क किया है।' मामले में आगे की जांच जारी है।

तमिलनाडु में तबाही मचाने आ रहा चक्रवाती तूफान मैंडूस, दक्षिणी राज्यों में अलर्ट

नई दिल्ली। बंगाल की खाड़ी में दबाव का क्षेत्र तेज होकर चक्रवाती तूफान 'मैंडूस' में तब्दील हो गया, जो पिछले कुछ दिनों से इस क्षेत्र में बना हुआ था। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने कहा कि बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पश्चिम में मंडरा रहा चक्रवाती तूफान पिछले तीन घंटों के दौरान लगभग 8 किमी प्रति घंटे की गति के साथ लगभग पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ा हैं।

बंगाल की खाड़ी में बना चक्रवाती तूफान बढ़ रहा है आगे

इसके पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने और उत्तर तमिलनाडु, पुडुचेरी और आंध्र प्रदेश के आस-पास के दक्षिणी राज्यों में पुडुचेरी और श्रीहरिकोटा के बीच 9 दिसंबर की मध्यरात्रि के आसपास लगभग 85 किमी प्रति घंटे की अधिकतम निरंतर हवा की गति के साथ पार करने की बहुत संभावना है। आईएमडी के अनुसार, दक्षिण-पश्चिम और उससे सटे दक्षिणपूर्व बंगाल की खाड़ी के ऊपर गहरा दबाव एक चक्रवाती तूफान 'मैंडूस' में बदल गया, जिसे 'मैन-डूस' (उत्तरी तमिलनाडु, पुडुचेरी और दक्षिण आंध्र प्रदेश के तटों के लिए चक्रवात अलर्ट) कहा गया।

चक्रवाती तूफान से बचने की पूरी तैयारी

राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल की टीमों को तमिलनाडु में नागपट्टिनम, तंजावुर, तिरुवरुर, कुड्डालोर, मायलादुथुराई और चेन्नई में तैनात किया गया था। पुडुचेरी और कराईकल में एनडीआरएफ की तीन टीमों को तैनात किया गया है। दो नियंत्रण कक्ष और स्वास्थ्य केंद्र भी कार्यरत हैं। एजेंसियों और मंत्रालयों की तैयारियों की समीक्षा करने वाले नेशनल क्राइसिस मैनेजमेंट कमेटी के कैबिनेट सचिव राजीव गौबा के अनुसार, 'उद्देश्य यह होना चाहिए कि जानमाल का कोई नुकसान न हो और बिजली जैसे संपत्ति और बुनियादी ढांचे को नुकसान कम से कम हो। दूरसंचार, और इस बुनियादी ढांचे को नुकसान के मामले में, इसे जल्द से जल्द बहाल किया जाना चाहिए।

तमिलनाडु तथा पुडुचेरी में बारिश

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने यह जानकारी दी आईएमडी ने एक बुलेटिन में कहा कि गहरा दबाव चक्रवाती तूफान में बदल सकता है और तमिलनाडु तथा पुडुचेरी में इसके असर से मध्यम से भारी बारिश हो सकती है। जिसके असर भी दिख रहा है। दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना कम दबाव का क्षेत्र छह दिसंबर की शाम को उसी क्षेत्र में गहरे दबाव में बदल गया और कराईकल से लगभग 690 किमी पूर्व-दक्षिण पूर्व तथा चेन्नई से लगभग 770 किमी पूर्व-दक्षिण पूर्व में स्थित था। बुलेटिन के मुताबिक इसके उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने और बुधवार शाम कोचक्रवाती तूफान में बदलने की संभावना है।

उत्तरी तमिलनाडु-पुडुचेरी और आंध्र प्रदेश में चक्रवाती तूफान

आठ दिसंबर की सुबह तक दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी, उत्तरी तमिलनाडु-पुडुचेरी और आंध्र प्रदेश के दक्षिणी तटों तक इसके पहुंचने की संभावना है। इसके प्रभाव से 8 से 10 दिसंबर के बीच तटीय तमिलनाडु, पुडुचेरी, कराईकल,आंध्र प्रदेश के दक्षिणी हिस्से के अधिकतर स्थानों और रायलसीमा में हल्की से मध्यम वर्षा तथा छिटपुट स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा होने का अनुमान है। बुलेटिन में कहा गया कि अगले 24 घंटों के दौरान 50-60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने की संभावना है और फिर आठ दिसंबर को इसकी रफ्तार घटकर 40-45 किमी प्रति घंटे की हो सकती है।

'जीरो लाइन' गश्त के दौरान पाकिस्तानी सीमा में दाखिल हुआ बीएसएफ जवान, पाक रेंजर्स ने पकड़ा

नई दिल्ली। पाक रेंजर्स ने पंजाब सेक्टर में बुधवार को गलती से अंतरराष्ट्रीय सीमा पार करने वाले सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के एक जवान को पकड़ लिया है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पाक रेंजर्स द्वारा बीएसएफ जवान को वापस भारत को सौंपे जाने का इंतजार है। यह दिसंबर में पंजाब के अबोहर सेक्टर में हुई इस तरह की दूसरी घटना है। इससे पहले, एक दिसंबर को भारत-पाक अंतरराष्ट्रीय सीमा पर 'जीरो लाइन' गश्त के दौरान एक जवान पाकिस्तान की सीमा में दाखिल हो गया था।

10 साल पहले जन्मी आम आदमी पार्टी को मिला राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा, भाजपा -कांग्रेस के बगल में खड़ी हुई आम आदमी पार्टी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली, पंजाब और गोवा में पहले से ही राज्य पार्टी के रूप में मान्यता प्राप्त करने वाली आम आदमी पार्टी अब राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा हासिल कर चुकी है। गुजरात में आम आदमी पार्टी अपनी उम्मीदों के मुताबिक भले प्रदर्शन नहीं कर पाई हो लेकिन उसे अब एक राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा प्राप्त हो गया है। देश में अब भाजपा और कांग्रेस के अलावा आम आदमी पार्टी एकमात्र ऐसी राष्ट्रीय पार्टी है जिसकी दो या दो से ज्यादा राज्यों में सरकार है। आम आदमी पार्टी की जहां दिल्ली और पंजाब में सरकार है वहीं कांग्रेस के पास छत्तीसगढ़ और राजस्थान की सरकार है। वहीं भाजपा डेढ़ दर्जन से ज्यादा राज्यों में स्पष्ट बहुमत अथवा गठबंधन के माध्यम से सरकार चला रही है।

जहां तक आम आदमी पार्टी को राष्ट्रीय दर्जा मिलने की बात है तो आपको बता दें कि एक राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा हासिल करने के लिए, एक राजनीतिक संगठन को कम से कम चार राज्यों में मान्यता प्राप्त करने की आवश्यकता होती है। राज्य पार्टी के रूप में मान्यता प्राप्त करने के लिए किसी दल को राज्य की कम से कम दो सीट पर जीत और विधानसभा चुनाव में छह प्रतिशत वोट हासिल करने की आवश्यकता होती है।

10 साल पहले अन्ना आंदोलन से जन्मी आम आदमी पार्टी ने इस साल हुए उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड, पंजाब और गोवा के विधानसभा चुनावों में भी पूरे दमखम के साथ चुनाव लड़ा था। उत्तराखण्ड, पंजाब और गोवा के लिए तो आम आदमी पार्टी ने अपने मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवारों की भी घोषणा की थी लेकिन पंजाब में भगवंत मान को छोड़ कर उत्तराखण्ड और गोवा के लिए पार्टी के मुख्यमंत्री उम्मीदवार खुद चुनाव हार गये थे। उत्तरखण्ड में आम आदमी पार्टी को एक भी सीट नहीं मिली थी लेकिन गोवा विधानसभा में वह दो सीटों पर जीत हासिल करने में सफल रही थी। हालिया गुजरात और हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनावों में भी आम आदमी पार्टी ने जोरशोर से चुनाव लड़ा था लेकिन दोनों ही राज्यों में उसे सफलता नहीं मिली। गुजरात में आप का खाता तो खुला

लेकिन हिमाचल में उसके प्रत्याशी अपनी जमानत भी नहीं बचा पाये। हालांकि अभी एक दिन पहले ही आम आदमी पार्टी ने दिल्ली नगर निगम चुनावों में पहली बार जीत हासिल करते हुए बहुमत हासिल किया है।

लोकसभा में अधीर रंजन व हरदीप पुरी उज्ज्वला सब्सिडी को लेकर आए आमने-सामने

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में गुरुवार को उज्ज्वला योजना सब्सिडी और गैस की कीमतों को लेकर पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी और कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी के बीच जुबानी जंग छिड़ गई। ड्रामा प्रश्नकाल के दौरान हुआ, जब बालाघाट के भाजपा सांसद ढाल सिंह बिसेन ने पुरी से पूछा कि उज्ज्वला के कई लाभार्थियों को अपने सिलेंडरों की दूसरी रिफिल प्राप्त करने में विफल रहने के कारण सरकार को कितने नुकसान का सामना करना पड़ा और क्या सरकार उज्ज्वला सिलेंडरों की रिफिल सुनिश्चित करने के लिए सब्सिडी राशि में वृद्धि करें।

पुरी ने अपने जवाब में कहा कि इस मुद्दे पर जानकारी की कमी प्रतीत होती है और उन्होंने सदन को सूचित किया कि 2014 से एलपीजी

कनेक्शनों की संख्या में भारी उछाल आया है।

उन्होंने कहा कि यह कहना तथ्यात्मक रूप से गलत है कि उज्ज्वला लाभार्थियों ने दूसरा सिलेंडर नहीं दिया गया है। मंत्री ने बताया कि कैसे सरकार ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इनकी कीमतों में वृद्धि के बावजूद घरेलू गैस की कीमतों को नियंत्रण में रखने के प्रयास किए हैं, इस पर चौधरी ने पुरी को रोका और वर्तमान गैस की कीमत जानने की मांग की।

मंत्री ने अपनी प्रतिक्रिया जारी रखते हुए कहा कि सिलेंडर की औसत खपत तीन प्रति परिवार से बढ़कर प्रति परिवार साढ़े तीन सिलेंडर हो गई है। चौधरी ने उन्हें फिर टोकते हुए कहा कि राजग सरकार में सब्सिडी पर रोक लगा दी गई है। जब चौधरी ने फिर कहा कि सरकार उज्ज्वला योजना के तहत लाभार्थियों को कोई सब्सिडी नहीं दे रही है, तो पुरी ने कहा कि 2020 में जब कोविड महामारी के कारण गैस की कीमतें गिर गई थीं, तब सब्सिडी की जरूरत नहीं थी।

मंत्री ने कहा कि अब यह उज्ज्वला लाभार्थियों को प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण के माध्यम से 200 रुपये प्रति सिलेंडर के रूप में दिया जा रहा है, क्योंकि वैश्विक स्तर पर गैस की कीमतें बढ़ी हैं, भले ही केंद्र ने घरेलू कीमतों को नियंत्रण में रखा हो। चौधरी ने फिर बीच में कहा कि सरकार ने 2020 में गरीबों को कोई सब्सिडी नहीं दी, जब गैस की कीमतें गिर रही थीं। संसदीय कार्य राज्यमंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने इसके बाद कांग्रेस नेता से मंत्री की बात सुनने को कहा।

रक्षाकर्मियों की विधवाओं के समान, अर्धसैनिकों की विधवाओं को पेंशन पर हो विचार : संसदीय समिति

नई दिल्ली (एजेंसी)। अर्धसैनिक बलों को अपने कर्तव्य के पालन में कठिनाई का सामना करना पड़ता है। उन्हें पुरानी पेंशन योजना से भी बाहर रखा गया है और इस प्रकार सक्रिय ड्यूटी पर मृत्यु या विकलांगता पर पारिवारिक पेंशनभोगी को अपना जीवन व्यतीत करने के लिए पर्याप्त पेंशन नहीं मिलती है। ऐसे मामलों में सरकार को उदार दृष्टिकोण रखना चाहिए और रक्षा कर्मियों की विधवाओं के समान ही पूर्ण उदारीकृत पेंशन प्राप्त करने के लिए अर्धसैनिक कर्मियों की विधवाओं के मामले पर विचार करना चाहिए। यह सिफारिश राज्यसभा सांसद सुशील मोदी की अध्यक्षता वाली स्थायी संसदीय समिति ने बुधवार को संसद में दी है। स्थायी संसदीय समिति ने अपनी सिफारिशों में पेंशन भोगियों की शिकायतों के निपटान के लिए पुरस्कार और दण्ड प्रणाली की बात कही है। स्थायी संसदीय समिति के मुताबिक कुटुम्ब पारिवारिक पेंशनभोगियों को समय पर पेंशन पाने के लिए कई बाधाओं का सामना करना पड़ता है। एक तरफ उन्हें एकलौते कमाने वाले के नुकसान से जूझना पड़ रहा है और दूसरी तरफ उन्हें अपनी पेंशन शुरू करने के लिए सभी दस्तावेज प्राप्त करने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। तदनुसार, विभागों, संगठनों को परिवार पेंशन मामलों से निपटने के लिए संवेदनशील हो कर आगे आना चाहिए। राज्यसभा सांसद सुशील कुमार मोदी की अध्यक्षता वाली संसदीय स्थायी समिति ने 8 दिसंबर, को संसद के दोनों सदनों में 'पेंशन संबंधित शिकायतें, शिकायत निवारण और निगरानी प्रणाली के संबंध में समिति के एक सौ दसवें प्रतिवेदन पर की गई कार्रवाई प्रतिवेदन प्रस्तुत किया

केरल : पूर्व स्वास्थ्य मंत्री शैलजा को लोकायुक्त के समक्ष जवाब दाखिल करने का निर्देश

कोच्चि (एजेंसी)। केरल उच्च न्यायालय ने गुरुवार को राज्य की पूर्व स्वास्थ्य मंत्री के.के. शैलजा और 11 अन्य को 2020 में कोविड महामारी के दौरान कोविड पीपीई किट सहित उपकरण खरीदने में भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच कर रहे लोकायुक्त के समक्ष अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। मुख्य न्यायाधीश एस. मणिकुमार और न्यायमूर्ति शाजी पी. चाली की खंडपीठ ने याचिका में नामित सभी लोगों को दो सप्ताह के भीतर अपना जवाब दाखिल करने का आदेश दिया। कांग्रेस नेता वीना नायर, जो राज्य की राजधानी शहर निर्वाचन क्षेत्र में 2021 के विधानसभा चुनावों में उम्मीदवार थीं, उन्होंने भ्रष्टाचार के व्यापक आरोपों की शिकायत के साथ लोकायुक्त से संपर्क किया था, जिसे मीडिया ने 2020 में कोविड के दौरान की गई खरीदारी के बारे में बताया था। पीपीई किट जिसकी कीमत लगभग 500 रुपये होनी चाहिए थी, 1,500 रुपये में खरीदी गई थी। लोकायुक्त ने प्रारंभिक जांच करने के बाद शैलजा और 11 अन्य को 8 दिसंबर को उनके सामने पेश होने के लिए नोटिस भेजा है। इसी आदेश को शैलजा और खरीद के लिए जिम्मेदार राज्य सरकार के अधिकारियों सहित अन्य ने उच्च न्यायालय में चुनौती दी थी। लेकिन अदालत ने अपने फैसले में कहा कि लोकायुक्त को मामले को आगे बढ़ाने का अधिकार है और प्रारंभिक जांच में

अदालत हस्तक्षेप नहीं करेगी। अदालत ने यह भी कहा कि महामारी के समय में किसी को भी यह नहीं सोचना चाहिए कि कोई कुछ भी कर सकता है और जांच से डर क्यों है। लोगों को सच्चाई जाननी चाहिए, क्योंकि शिकायत यह है कि पीपीई किट अधिक कीमत पर खरीदी गई थी। इस पर शैलजा ने अपनी बात रखते हुए कहा कि जीवन बचाने के लिए जल्दी से कार्य करना समय की जरूरत थी और खरीदारी मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन की स्वीकृति के साथ की गई थी। जब विजयन ने अप्रैल 2021 के विधानसभा चुनावों में सत्ता बरकरार रखी, तो सबसे बड़ा झटका तब लगा जब विजयन ने निवर्तमान सरकार से अपनी पार्टी के किसी भी मंत्री को बरकरार नहीं रखा और दावा किया कि शैलजा होंगी, लेकिन जब मंत्रियों की सूची सामने आई, तो उनका नाम उसमें नहीं था। तब राजनीतिक गलियारों में चर्चा थी कि विजयन पीपीई किट के खरीद को लेकर उनसे नाखुश थे और अब यहां तक कि हाईकोर्ट ने भी सभी को लोकायुक्त को जवाब देने के लिए कहा है।

गुजरात में बीजेपी की जीत के बाद आदित्य ठाकरे ने बीजेपी-शिंदे गुट को दी ये चुनौती

मुंबई (एजेंसी)। गुजरात चुनाव में बीजेपी स्पष्ट बहुमत के साथ जीत के रास्ते पर है। गुजरात में बीजेपी 157 सीटों पर आगे चल रही है। कांग्रेस के केवल 16 उम्मीदवार आगे चल रहे हैं। दूसरी ओर कांग्रेस हिमाचल में सरकार बनाने की तैयारी कर रही है। जहां कांग्रेस के 39 उम्मीदवार हैं, वहीं बीजेपी 27 उम्मीदवारों के साथ आगे चल रही है। अब शिवसेना विधायक आदित्य ठाकरे ने शिंदे गुट और बीजेपी को चुनौती दी है।

आदित्य ठाकरे ने मुंबई में मीडिया से बातचीत की। गुजरात, हिमाचल

और उपचुनाव के नतीजे सामने आ रहे हैं। मैं विजयी प्रत्याशियों को बधाई देता हूं। आदित्य ठाकरे ने कहा कि महाराष्ट्र चुनाव अभी होना चाहिए। मुंबई, ठाणे, पुणे और अन्य नगर पालिकाओं के चुनाव लंबित हैं। इसके अलावा, महाराष्ट्र में लोकतांत्रिक तरीके से चुनाव होने दें। गुजरात और हिमाचल पर आदित्य ठाकरे ने कहा, 'लोकतंत्र में एक पार्टी एक राज्य में आती है और दूसरी दूसरे राज्य में। आदित्य ठाकरे ने कहा कि अब समय आ गया है कि महाराष्ट्र में चुनाव हों। , महाराष्ट्र में संविधानेतर सरकार आ गई है। 40 एमएलए और 12 एमपी के लिए चुनाव होने थे, लेकिन अब तक नहीं हो पाए हैं। अब इतनी बड़ी जीत के बाद महाराष्ट्र में चुनाव कराने में कोई दिक्कत नहीं है।

विझिंजम आंदोलन खत्म होने के बाद समुद्री बंदरगाह निर्माण फिर से शुरू

नई दिल्ली(एजेंसी)। विझिंजम समुद्री बंदरगाह परियोजना स्थल पर निर्माण बृहस्पतिवार को फिर से शुरू किया गया है। परियोजना कार्य बंदरगाह निर्माण के खिलाफ मछुआरों के 130 दिनों से चल रहे आंदोलन के कारण बंद पड़ा था, जिसे दो दिन उन्होंने वापस लिया। अडानी समूह के एक सूत्र द्वारा साक्षा किए गए परियोजना स्थल की तस्वीरों में निर्माण सामग्री से लदे ट्रक दिखाई दे रहे हैं और आसपास के क्षेत्र में प्रदर्शनकारी नहीं हैं, जो वहां चार महीने से अधिक समय से बैठे हुए थे।

आंदोलन को मंगलवार को वापस ले लिया गया और अगले दिन

प्रदर्शनकारियों ने केरल उच्च न्यायालय को सूचित किया कि बंदरगाह के बाहर विरोध स्थल पर लगाए गए तम्बू हटाए जा रहे हैं। परियोजना स्थल पर बाधा नहीं डालने के अदालत के आदेशों का पालन नहीं करने के लिए प्रदर्शनकारियों के खिलाफ अवमानना कार्रवाई के लिए अडानी समूह द्वारा दायर एक याचिका की सुनवाई के दौरान प्रस्तुत किया गया था। आंदोलन के बंद होने और प्रदर्शनकारियों द्वारा विरोध स्थल पर तम्बू हटाने का आश्वासन देने के साथ ही उच्च न्यायालय ने अवमानना याचिकाओं को बंद कर दिया।

सूत्र ने मंगलवार को बताया कि को निर्माण कार्य को जल्द शुरू किया जाएगा, और साथ ही ये कुछ ही दिनों में अपनी पुरी गति पकड़ लेगा। इसके बाद बृहस्पतिवार को बंदरगाह पर निर्माण कार्य शुरू हुआ और सूत्र ने कहा कि जल्द ही नौकाओं आवाजाही शुरू हो जाएगी और कुछ दिनों में यह पूरे जोरों पर काम करेगा। सूत्र ने कहा कि 2,960 मीटर लंबे बांध के निर्माण को प्राथमिकता दी जाएगी, जिसमें से लगभग 1,400 मीटर का काम पूरा हो चुका है।

क्या है वो मोदी मंत्र जिससे कमल की जड़ें नर्मदा किनारे की मिट्टी में ऐसे गहराई से गड़ी और इसकी पंखुड़ियां मचल कर खिल उठी

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुजरात चुनाव के नतीजे आ चुके हैं। बीजेपी ने न केवल बंपर जीत दर्ज की है। बल्कि अबतक के सारे रिकॉर्ड तोड़ते हुए 150 से ज्यादा सीटें हासिल की हैं। ये गुजरात विधानसभा चुनाव के इतिहास में अब तक की सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले कांग्रेस ने 1985 में 149 सीटें जीतकर सरकार बनाई थी। चुनाव से पहले और आखिरी एक से डेढ़ साल के कार्यकाल के दौरान बीजेपी ने न केवल गुजरात कैबिनेट में बड़ा फेरबदल किया, बल्कि दो बार मुख्यमंत्री भी बदल दिया। आखिरी दांव भूपेंद्र पटेल के चेहरे पर खेला गया। पटेल की चेहरे को आगे रखकर ये चुनाव लड़ा गया। नतीजे आए तो ऐसे आएं कि सारे आंकड़े ध्वस्त हो गए। अब खबर है कि 12 दिसंबर को भूपेंद्र पटेल दोबारा सीएम पद की शपथ ले सकते हैं। इस दौरान शपथ ग्रहण समारोह में पीएम मोदी, अमित शाह समेत भाजपा शासित राज्य के सभी सीएम शामिल हो सकते हैं। 2017 के विधानसभा चुनाव में बमुश्किल से अपनी सत्ता कायम रख पाने वाली बीजेपी ने 5 साल बाद की कहानी को कैसे पूरी तरह पलट कर रख दिया? इस सवाल का जवाब है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सफलता का मंत्र। आखिर क्या था वो मोदी का मंत्र जिसने बीजेपी को अपराजेट बना दिया आइए जानते हैं।

अहमदाबाद नगर निगम चुनाव से पहली नुमाइश

गुजरात में कमल की पंखुड़िया ऐसे मचल कर खिल रही हैं तो इसके पीछे की वजह है कमल की वो जड़े जो नर्मदा किनारे की गीली मिट्टी में गहरे गड़ी हुई हैं। पार्टी संगठन, जनता में पैठ, वोटर से कनेक्ट, सही कैंडिडेट, प्रचार अभियान, तकनीक से दोस्ती और माहौल की समझ। कमल की इन झड़ों को नरेंद्र मोदी पिछले तीन दशक से भी ज्यादा वक्त से अपने पसीने से सींच रहे हैं। चुनावी लेवल की पहली सीढ़ी नरेंद्र मोदी ग्राउंड लेवल के कार्यकर्ताओं को ही मानते हैं। आज से नहीं बल्कि उन दिनों से जब वो संघ से बीजेपी में संगठन मंत्री के तौर पर भेजे गए थे। संगठन मंत्री के तौर पर मोदी के पास हर विधानसभा में कार्यकर्ताओं की पूरी लिस्ट होती थी। जिसके जरिये वो जमीनी रिपोर्ट लेकर चुनाव की रणनीति तैयार करते थे। आज भी गांव गांव तक फैसा ये ढांचा बीजेपी के मजबूत आधार की धुरी है। 1987 के अहमदाबाद नगर निगम चुनाव में इस ताकत की पहली नुमाइश हुई। पहली बार इस चुनाव में बीजेपी का मेयर बना।

बूथ मैनेंजमेंट से विजय

जब राजनीति का मतलब बड़ी-बड़ी बैठकें, रोड शो और रैलियां हुआ करती थीं। तब नरेंद्र मोदी पार्टी संगठन में बैठकर चुनाव जीतने के गुण तलाशा करते थे। मोदी की इसी तलाश ने उन्हें चुनाव के बूथ स्तर पर ले जाकर खड़ा कर दिया। मोदी मानते हैं कि चुनावी रणनीति को विज्ञान की तरह देखना चाहिए। कार्यकर्ता पूरे चुनाव की बजाए अपने बूथ पर ध्यान दें। इसके लिए मोदी ने बूथ जीता तो इलेक्शन जीता का नारा भी दिया। मोदी ने एक बूथ, दस यूथ का भी नारा दिया। अपने इसे बूथ मैनेजमेंट को पन्ना प्रमुख का कॉन्सेप्ट इजात करके इसका विस्तार किया। पन्ना प्रमुख यानी वोटर लिस्ट के एक पन्ने का इंचार्ज। जिसे बूथ तक लाने की जिम्मेदारी पन्ना प्रमुख की होती है। मोदी भी पन्ना प्रमुख रह चुके है।

बीजेपी का संकल्प

मोदी हमेशा इस पक्ष में रहे कि घोषणा पत्र

में वे ही वादे शामिल किए जाएं जो पूरे हो सके। इसलिए 2007 के चुनाव में उन्होंने बकाया बिजली बिलों की माफी का मुद्दा शामिल करने से इनकार कर दिया था। क्योंकि मोदी का मानना था कि लड़खड़ाती बिजली कंपनियों को वोट के लिए कुर्बान नहीं किया जा सकता।

प्रतिद्वंदी को कमजोर कर उसका हौसला तोड़ो

2017 के बाद बीजेपी ने उन नेताओं पर फोकस किया जो भविष्य में उसके लिए खतरा पैदा कर सकते हो। पाटीदार आंदोलन के चेहरा हार्दिक पटेल ने कांग्रेस का रुख किया। प्रभावशाली युवा नेता अल्पेश ठाकोर को बीजेपी ने अपने साथ मिलाया। बाद में हार्दिक पटेल को भी बीजेपी ने अपने साथ जोड़ लिया। केवल अल्पेश और हार्दिक ही नहीं बीजेपी ने चुन-चुनकर प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस के कई नेताओं को अपने पाले में मिला लिया। कुंवरजी बवलिया, जवाहर चावड़ा, जीतू चौधरी, अक्षय पटेल, जे वी काकड़िया, प्रद्युम्न सिंह जडेजा, पुरुषोत्तम बाबरिया...एक-एक करके उसके कई विधायक इस्तीफा देकर बीजेपी में शामिल हो गए। इनके जरिए क्षेत्रीय और जातिगत समीकरणों को भी साधने में कामयाब रही।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गुजरात में भाजपा की 156 सीटों पर ऐतिहासिक जीत

कांग्रेस को 16 और आप को 5 सीटें

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गुजरात विधानसभा चुनाव में भाजपा ने प्रचंड जीत हासिल की है। 2022 के चुनाव में शहरी इलाके समेत ग्रामीण क्षेत्रों में भी भाजपा ने जीत का परचम लहराया है। विधानसभा चुनाव में 156 सीटें जीतकर भाजपा ने कांग्रेस के 149 सीटें जीतने का रिकार्ड ध्वस्त कर दिया है। 1985 में माधवसिंह सोलंकी के नेतृत्व में कांग्रेस ने गुजरात विधानसभा के चुनाव में 149 सीटों पर जीत दर्ज की थी। लेकिन 2022 के चुनाव में कांग्रेस की शर्मनाक हार हुई है। यह कहना गलत नहीं होगा कि कांग्रेस की यह ऐतिहासिक हार है। वहीं गुजरात में कांग्रेस को 5 से भी कम सीटें मिलने का लिखकर देने वाले दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की सभी भविष्यवाणी झूठी साबित हुई है। अरविंद केजरीवाल के दिल्ली मॉडल को गुजरात की जनता ने नकार दिया है। गुजरात के चुनाव में आम आदमी पार्टी के केवल 5 सीटों से संतोष करना पड़ा है। गुजरात के ज्यादातर जिलों में कांग्रेस का सूपडा साफ हो गया है और भाजपा ने अपना भगवा लहरा दिया है। कई जिलों में कांग्रेस और आप का खाता भी नहीं खुला है।

भाजपा कांग्रेस आप और अन्यों की हार-जीत पर सीट वार स्थिति कच्छ जिले की सभी 6 सीटों पर भाजपा ने जीत दर्ज की है

अबडासा से प्रद्युम्नसिंह जाडेजा
मांडवी से अनिरुद्ध दवे
भुज से केशवलाल पटेल
अंजार से त्रिकमभाई छांगा
गांधीनगर से मालतीबेन महेश्वरी

बनानासकांठा जिले की 9 सीटों में से कांग्रेस ने 4 भाजपा ने 4 और सीट निर्दलीय उम्मीदवार ने जीती

वाव सीट से कांग्रेस प्रत्याशी गनीबेन ठाकोर
थराद से भाजपा प्रत्याशी शंकर चौधरी
धानेरा से निर्दलीय उम्मीदवार मावजी देसाई
दांता से कांग्रेस प्रत्याशी कांतिभाई खराडी
वडगाम से कांग्रेस प्रत्याशी जिग्नेश मेवाणी
पालनपुर से भाजपा उम्मीदवार अनिकेत ठाकर
डीसा से भाजपा के प्रवीण माली
दियोदर से भाजपा प्रत्याशी केसाजी चौहाण
कांग्रेस के अमृत ठाकोर ने जीत दर्ज की है।

पाटन जिले की 4 सीटें

राधनपुर सीट से भाजपा उम्मीदवार लविंगजी ठाकोर
चाणस्मा से कांग्रेस प्रत्याशी दिनेश ठाकोर
पाटण से कांग्रेस के किरीट पटेल
सिद्धपुर से भाजपा के बलवंतसिंह राजपूत

मेहसाणा जिला

खेरालू में भाजपा के सरदारसिंह चौधरी
उंझा में भाजपा के किरीट पटेल
विसनगर में भाजपा के ऋषिकेश पटेल
बेचराजी में भाजपा के सुखाजी ठाकोर
कडी में भाजपा के करशनभाई सोलंकी
मेहसाणा में भाजपा के मुकेश पटेल
विजापुर में कांग्रेस के सीजे चावडा

साबरकांठा जिला

हिम्मतनगर में भाजपा के वीडी झाला
ईडर में भाजपा के रमणलाल वोरा
खेडब्रह्मा में कांग्रेस के तुषार चौधरी
प्रांतिज में गजेन्द्रसिंह परमार

अरवल्ली जिला

भिलोडा में भाजपा के पूनमचंद बरंडा
मोडासा में भीखुभाई परमार
बायड में निर्दलीय उम्मीदवार धवलसिंह झाला

गांधीनगर जिला

दहेगाम में भाजपा के बलराजसिंह चौहाण
गांधीनगर दक्षिण में भाजपा अल्पेश ठाकोर
गांधीनगर उत्तर में भाजपा की रीटाबेन पटेल
माणसा में भाजपा के जेएस पटेल
कलोल में भाजपा के बकाजी ठाकोर

अहमदाबाद जिला

वीरमगाम में भाजपा के हार्दिक पटेल
साणंद में भाजपा के कनुभाई पटेल
घाटलोडिया में भाजपा के भूपेन्द्र पटेल
वेजलपुर में भाजपा के अमित ठाकर
वटवा में भाजपा के बाबुसिंह जादव
एलिसब्रिज में भाजपा के अमित शाह
नारणपुरा में भाजपा के जीतेन्द्र पटेल
निकोल में भाजपा के जगदीश विश्वकर्मा
नरोडा में भाजपा की पायल कुकराणी
ठक्करबापानगर में भाजपा की कंचनबेन रादडिया
बापुनगर में भाजपा के दिनेशसिंह कुशवाहा
अमराईवाडी में भाजपा के हसमुख पटेल
दरियापुर में भाजपा के कौशिक जैन
जमालपुर खाडिया में कांग्रेस के इमरान खेडावाला
मणिनगर में भाजपा के अमूलभाई भट्ट
दाणीलीमडा में कांग्रेस के शैलेष परमार
साबरमती में भाजपा के हर्षदभाई पटेल
असारवा में भाजपा की दर्शनाबेन वाघेला
दस्क्रोई में भाजपा के बाबुभाई पटेल
धोलका में भाजपा के किरीटसिंह डाभी
धंधुका में भाजपा के कालुभाई डाभी

सुरेन्द्रनगर जिला

दसाडा में भाजपा के पुरुषोत्तमभाई परमार
लीमडी में भाजपा के किरीटसिंह राणा

गुजरात चुनाव के विजेता उम्मीदवारों की सूची-2

वढवाण में भाजपा के जगदीश मकवाणा
चोटीला में भाजपा के शामजीभाई चौहाण
ध्रांगध्रा में भाजपा के प्रकाश वरमोरा

मोरबी जिला

मोरबी में भाजपा के कांति अमृतिया
टंकारा में भाजपा के दुर्लभजी देथरिया
वांकानेर में भाजपा के जितेन्द्र सोमाणी

राजकोट जिला

राजकोट पूर्व में भाजपा के उदय कानगड
राजकोट पश्चिम में भाजपा की दर्शिता शाह
राजकोट दक्षिण में भाजपा के रमेशभाई टीलाला
राजकोट ग्रामीण में भाजपा की भानुबेन बाबरिया
जसदण में भाजपा के कुंवरजी बावलिया
गोंडल में भाजपा की गीताबा जाडेजा
जेतपुर में भाजपा के जयेश रादडिया
धोराजी में भाजपा के महेन्द्र पाडलिया

जामनगर जिला

कालावड में भाजपा के मेघजी चावडा
जामनगर ग्रामीण में भाजपा के राघवजी पटेल
जामनगर उत्तर में भाजपा की रीवाबा जाडेजा
जामनगर दक्षिण में दिव्येश अकबरी
जामजोधपुर में आप के हेमंत खावा

देवभूमि द्वारका जिला

खंभालिया में भाजपा के मूलुभाई बेरा
द्वारका में भाजपा के पबुभा माणेक

पोरबंदर जिला

पोरबंदर में कांग्रेस के अर्जुन मोढवाडिया
कुतियाणा में समाजवादी पार्टी के कांधल जाडेजा

जूनागढ़ जिला

माणावदर में कांग्रेस के अरविंद लाडाणी
जूनागढ़ में भाजपा के संजय कोरडिया
विसावदर में आप के भूतप भायाणी
केशोद में भाजपा के देवाभाई मालम
मांगरोल में भाजपा के भगवानजी करगढिया

गिर सोमनाथ जिला

सोमनाथ में कांग्रेस के विमल चूडास्मा
तालाला में भाजपा के भगवान बारड
कोडीनार में भाजपा के प्रद्युम्न वाजा
ऊना में भाजपा के केसी राठौड़

अमरेली जिला

धारी में भाजपा के जयसुखभाई काकडिया
अमरेली में भाजपा के कौशिकभाई वेकरिया
लाठी में भाजपा के जनक तलाविया
सावरकुंडला में भाजपा के कसवाला
राजुला में भाजपा के हीराभाई सोलंकी

भावनगर जिला

महुवा में भाजपा के शिवाभाई गोहिल
तलाजा में भाजपा के गौतमभाई चौहाण
गारियाधार में आप के सुधीर वाघाणी
पालीताणा में भाजपा के भीखाभाई बारैया
भावनगर ग्रामीण में भाजपा के पुरुषोत्तम सोलंकी
भावनगर पूर्व से भाजपा की सेजल पंड्या
भावनगर पश्चिम में भाजपा के जीतु वाघाणी

गुजरात चुनाव -विजेता उम्मीदवारों की सूची-3

बोटाद जिला

गढ़डा में शंभु प्रसाद टुंडिया
बोटाद में आप के उमेश मकवाणा

आणंद जिला

खंभात में कांग्रेस के चिराग पटेल
बोरसद में भाजपा के रमणभाई सोलंकी
आंकलाव में कांग्रेस के अमित चावड़ा
उमरेठ में भाजपा के गोविंदभाई परमार
आणंद में भाजपा के योगेशभाई पटेल
पेटलाद में भाजपा के कमलेश पटेल
सोजित्रा में विपुलभाई पटेल

खेडा जिला

मातर में भाजपा के कल्पेशभाई परमार
नडियाद में भाजपा के पंकज देसाई
मेहमदाबाद में भाजपा के अर्जुनसिंह चौहाण
महुधा में भाजपा के संजयसिंह महिडा
ठासरा में भाजपा के योगेन्द्रसिंह परमार
कपडवंज में भाजपा के राजेश झाला

महीसागर जिला

बालासिनोर में भाजपा के मानसिंह चौहाण
लूणावाडा में कांग्रेस के गुलाबसिंह
संतरामपुर में भाजपा के कुबेर डिंडोर

पंचमहल जिला

शहेरा में भाजपा के जेठाभाई भरवाड
मोरवाहडफ में भाजपा की निमिषाबेन सुथार
गोधरा में भाजपा के सीके राउलजी
कालोल में भाजपा के फतेसिंह चौहाण
हालोल में भाजपा के जयद्रथसिंह परमार

दाहोद जिला

फतेपुरा में भाजपा के रमेशभाई कटारा
लीमखेडा में भाजपा के शैलेषभाई भाभोर
दाहोद में भाजपा के कनैयालाल किशोरी
गरबाडा में भाजपा के महेन्द्रभाई भाभोर
देवगढ़ बारिया में बचुभाई खाबड

छोटाउदेपर जिला

छोटाउदेपुर से भाजपा के राजेन्द्रसिंह राठवा
पावी जेतपुर से भाजपा के जयंति राठवा
संखेडा से भाजपा के अभेसिंह तडवी

वडोदरा जिला

सावली में भाजपा के केतन ईमानदार
वाघोडिया से निर्दलीय प्रत्याशी धर्मेन्द्रसिंह वाघेला
डभोई में भाजपा के शैलेषभाई मेहता
वडोदरा शहर से भाजपा की मनीषाबेन वकील
सयाजीगंज से भाजपा के केयूर रोकडिया
अकोटा से भाजपा के चैतन्य देसाई
रावपुरा से भाजपा के बालकृष्ण शुक्ला
मांजलपुर से भाजपा के योगेश पटेल
पादरा से भाजपा के चैतन्य झाला
करजण से भाजपा के अक्षय पटेल

नर्मदा जिला

नांदोद से भाजपा के दर्शनाबेन देशमुख
डेडियापाडा से आप उम्मीदवार चैतर वसावा

भरूच जिला

जंबुसर से भाजपा के डीके स्वामी
वागरा से भाजपा के अरुणसिंह राणा
झगडिया से भाजपा के रितेश वसावा
भरूच से भाजपा के रमेशभाई मिस्त्री
अंकलेश्वर से भाजपा के ईश्वरसिंह पटेल

सूरत जिला

ओलपाड से भाजपा के मुकेशभाई पटेल
मांगरोल से भाजपा के गणपत वसावा
मांडवी से भाजपा के कुंवरजीभाई हलपति
कामरेज से भाजपा के प्रफुल्लभाई पानसेरिया
सूरत पूर्व से भाजपा के अरविंद राणा
सूरत उत्तर से भाजपा के कांतिभाई बलर
वराछा से भाजपा के किशोरभाई कानाणी
करंज से भाजपा के प्रवीणभाई घोघारी
लिंबायत से भाजपा की संगीताबेन पाटील
उधना से भाजपा के मनुभाई पटेल
मजूरा में भाजपा के हर्ष संघवी
कतारगाम में भाजपा के विनुभाई मोरडिया
सूरत पश्चिम में भाजपा के पूर्णेश मोदी
चौर्यासी में भाजपा के संदीप देसाई
बारडोली में भाजपा के ईश्वरभाई परमार
महुवा में भाजपा के मोहनभाई ढोडिया

तापी जिला

व्यारा में भाजपा के मोहन कोकणी
नीझर में भाजपा के जयराम गामित
डांग जिले की डांग सीट पर भाजपा के विजयभाई पटेल

नवसारी जिला

जलालपोर में भाजपा के रमेशभाई पटेल
नवसारी में भाजपा के राकेश देसाई
गणदेवी में भाजपा के नरेश पटेल
वांसदा में कांग्रेस के अनंतकुमार पटेल

वलसाड जिला

धरमपुर में भाजपा के अरविंदभाई पटेल
वलसाड में भाजपा के भरतभाई पटेल
पारडी में भाजपा के कनुभाई देसाई
कपराडा में भाजपा के जीतुभाई चौधरी
उमरगाम में भाजपा के रमणलाल पाटकर